E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 70 | प्रयागराज, शुक्रवार 22 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव-अमेरिका डील चाहता है, इजराइल बोला- हमला नहीं रुकना चाहिए

तेहरान। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। सीएनएन के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है। इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन स्लेजहैमर' नाम दिया जाना था। लेकिन करीब 24 घंटे बाद ट्रम्प ने घोषणा कर दी कि मंगलवार के लिए तय हमलों को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों की अपील पर यह फैसला लिया गया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पासः अमेरिकी सीनेट में ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने

वाला प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ। 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी ट्रम्प के खिलाफ वोट दिया। अगर कानून बना तो ईरान के खिलाफ जंग जारी रखने के लिए ट्रम्प को कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। 2. ट्रम्प बोले- ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्मः यूएस कोस्टगार्ड एकेडमी में ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि अमेरिका आगे पूरी कार्रवाई करेगा या ईरान समझौता करेगा। 3. ईरान की मंजूरी से 26 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरेः आईआरजीसी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में 26 जहाज ईरानी मंजूरी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। इनमें तेल टैंकर और कॉमर्शियल जहाज शामिल थे। 4. यूएई होर्मुज बायपास करने के लिए नई पाइपलाइन बना रहाः एडनॉक ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करने वाली नई तेल पाइपलाइन का 50फीसदी काम पूरा हो चुका है। युद्ध के बाद फुजैराह तेल हब पर ड्रोन हमलों की घटनाएं भी सामने आई हैं। 5. यूएन ने चेतावनी दी- होर्मुज संकट से फूड क्राइसिस का खतराः यूएन की फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि होर्मुज में रुकावट बढ़ी तो दुनिया में खाद्य संकट और महंगाई बढ़ सकती है। एजेंसी ने देशों से वैकल्पिक सप्लाई रूट तैयार करने की अपील की। ईरान युद्ध और होर्मुज संकट के बीच सऊदी अरब में गैस सप्लाई घट गई है। इसकी वजह से देश इस गर्मी में बिजली उत्पादन के लिए ज्यादा फ्यूल ऑयल इस्तेमाल कर रहा है।

यूएन में भारत- 'नरसंहार का इतिहास रखने वाला पाकिस्तान कश्मीर पर भाषण दे रहा'

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला।

पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर मुद्दा उठाने पर भारत ने कहा कि नरसंहार का इतिहास रखने वाला देश भारत के आंतरिक मामलों पर भाषण दे रहा है। बुधवार को यूएनएससी में सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों की सुरक्षा पर आयोजित बहस के दौरान पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वथनेनी ने पाकिस्तान पर कड़ा पलटवार किया। पर्वथनेनी ने कहा कि पाकिस्तान का रिकॉर्ड दिखाता है कि वह अपनी आंतरिक विफलताओं को छिपाने के लिए हिंसा और आक्रामकता का सहारा लेता रहा है। भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई का भी जिक्र किया। पर्वथनेनी ने कहा कि इस साल रमजान के दौरान पाकिस्तान ने काबुल के ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट अस्पताल पर बर्बर हवाई हमला किया था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन यूएनएमए का हवाला देते हुए कहा कि इस हमले में 269 नागरिकों की मौत हुई और 122 लोग घायल हुए थे। भारत ने कहा कि यह हमला ऐसे अस्पताल पर हुआ, जिसे किसी भी तरह सैन्य ठिकाना नहीं कहा जा सकता। पर्वथनेनी ने पाकिस्तान पर अंधेरे में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूएनएमए के मुताबिक, पाकिस्तान की सीमा पार हिंसा के कारण 94 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए। भारत ने 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट का भी जिक्र किया। पर्वथनेनी ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना ने उस दौरान 4 लाख महिलाओं के खिलाफ संगठित सामूहिक दुष्कर्म अभियान चलाया था।

कोलकाता का व्यक्ति पाक के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार, गुप्त जानकारी भेजता था

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान के बीच यात्रा कर रहा था और इसी दौरान पाकिस्तानी

समर्थित जासूसी नेटवर्क से जुड़े कोलकाता निवासी जफर रियाज उर्फ रिजवी को गिरफ्तार किया है। एजेंसी का आरोप है कि वह गोपनीय सुरक्षा जानकारी पाकिस्तान के इंटेलिजेंस अधिकारियों तक पहुंचा रहा था। एनआईए के मुताबिक, जफर के खिलाफ पहले से लुकआउट सर्कुलर जारी था। वह पहले भी जासूसी के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है। जांच में सामने आया कि वह 2005 से भारत-पाकिस्तान अधिकारियों के संपर्क में आया। एजेंसी का आरोप है कि उसने भारतीय मोबाइल नंबरों के ओटीपी देकर व्हाट्सऐप अकाउंट एक्टिवेट कराने में मदद की। इन अकाउंट्स के जरिए दूसरे आरोपियों से गोपनीय बातचीत होती थी। एनआईए के मुताबिक, जफर की शादी पाकिस्तानी नागरिक से हुई है और उसके बच्चे भी पाकिस्तानी नागरिक हैं। एजेंसी अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जांच कर रही है।

विजय की कैबिनेट का विस्तार, 23 मंत्रियों ने ली शपथ

तमिलनाडु में कांग्रेस 59 साल बाद सरकार का हिस्सा बनी

चेन्नई। तमिलनाडु में कांग्रेस 59 साल बाद सरकार का हिस्सा बन गई। कांग्रेस विधायक एस राजेश कुमार और पी विश्वनाथन आज विजय की कैबिनेट में शामिल हुए। राजेश कुमार किलियूर और विश्वनाथन मेलूर सीट से विधायक हैं। शपथ ग्रहण

समारोह गुरुवार सुबह 10 बजे हुआ। इस दौरान टीवीके से 21 मंत्री और कांग्रेस से 2 मंत्रियों ने शपथ ली। आईयूएमएल और वीसीके को बाहर से समर्थन देंगे। दरअसल, 1952 से 1967 तक तमिलनाडु (तब मद्रास राज्य) में कांग्रेस की सरकार रही थी। सी. राजगोपालाचारी, के. कामराज और एम. भक्तवत्सलम इस दौरान मुख्यमंत्री रहे। 1967 में डीएमके के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने डीएमके और एआईडीएमके दोनों के साथ गठबंधन किया, लेकिन सरकार का हिस्सा नहीं बनी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, विदुथलाई चिरुथइगल काची और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के प्रतिनिधियों को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। वहीं, एआईडीएमके के बागी नेताओं को कैबिनेट में जगह मिलने की संभावना नहीं है। टीवीके के सीनियर नेता और मंत्री आधव अर्जुना ने कांग्रेस, वीसीके और आईयूएमएल से सरकार में शामिल होने की अपील की। उन्होंने इसे सीएम विजय की बताई। डीएमके से अलग होने के बाद सत्ता में हिस्सेदारी मिली- कांग्रेस लंबे समय से तमिलनाडु में सत्ता में हिस्सेदारी की मांग कर रही थी। पार्टी के कुछ नेताओं ने विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन सरकार की वकालत भी की थी। कांग्रेस का पहले डीएमके के साथ गठबंधन था। हालांकि, डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने चुनाव से पहले साफ कहा था कि तमिलनाडु में सत्ता साझेदारी का फॉर्मूला काम नहीं करेगा। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद 4 मई को कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन छोड़कर विजय की अगुआई वाली सरकार को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पास फिलहाल 5 विधायक हैं। विजय के साथ 9 मंत्रियों ने शपथ लिया था-विजय ने 10 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ 9 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

5 देशों से क्या लेकर लौटे पीएम मोदी,मेलोनी से डील, यूएई तेल रिजर्व भरेगा- नीदरलैंड्स क्रिटिकल मिनरल देगा

नयी दिल्ली। पीएम मोदी 15 मई की सुबह नई दिल्ली से यूएई के लिए निकले थे। फिर नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे होते हुए इटली पहुंचे।

वे 6 दिनों के भीतर 5 देशों का दौरा कर 21 की सुबह दिल्ली लौटे। समझिये क्या कुछ लाभ हुआ भारत को-पहला पड़ाव था यूएई। मोदी यहां करीब 3 घंटे रुके। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद से मुलाकात की। इस दौरान 7एमओयू साइन किए, इसमें सबसे अहम था- स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व एग्रीमेंट। इसके तहत यूएई की अबुधाबी नेशनल ऑइल कंपनी अब भारत के स्ट्रैटजिक तेल भंडारों में 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल स्टोर करेगी। जंग के हालात या सप्लाई रुकने पर इस रिजर्व पर पहला हक भारत का होगा। यूएई इस रिजर्व का किराया भी भरेगा। फिलहाल भारत के पास कर्नाटक और आंध्रप्रदेश में 3 स्ट्रैटजिक ऑइल रिजर्व है। इनकी क्षमता 53.3 लाख मीट्रिक टन है, यानी इनमें करीब 4 करोड़ बैरल तेल स्टोर हो सकता है। ओडिशा के चंदीखोल में नया रिजर्व और कर्नाटक के पादुर में रिजर्व क्षमता बढ़ाई जा रही है। भारतीय रिजर्व के अलावा, यूएई के फुजैराह में भी भारत के लिए पेट्रोलियम रिजर्व करने की व्यवस्था की जाएगी। इस डील के मायने-भारत अपनी जरूरत का करीब 90फीसदी कच्चा तेल दूसरे देशों से इम्पोर्ट करता है। इसीलिए किसी इमरजेंसी से निपटने के लिए कुछ दिन का रिजर्व रखता है। भारत के पास सिर्फ 9 दिनों के खर्च के बराबर स्ट्रैटजिक ऑइल रिजर्व करने की क्षमता है। वो भी फिलहाल सिर्फ 65फीसदी भरे हुए हैं। जबकि जापान के पास 254 दिन, अमेरिका के पास 200 दिन और चीन के पास भी 120 से 180 दिन का स्ट्रैटेजिक ऑयल रिजर्व है। यूएई से मिलने वाले कच्चे तेल में से 1.37 करोड़ बैरल भारत में स्टोर होगा और बाकी बचा 1.63 करोड़ बैरल यूएई के फुजैराह में मौजूद स्टोरेज फैसिलिटी में। इससे भारत का स्ट्रैटजिक ऑइल रिजर्व 14-15 दिनों का हो जाएगा। यूएई से कच्चा तेल आने की एक और खास बात है कि इसे लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भी नहीं गुजरना पड़ता। यूएई का तेल हशबान ऑयल फील्ड से एक खास पाइपलाइन के जरिए ओमान सागर के किनारे मौजूद फुजैराह बंदरगाह पहुंचता है। यहां से जहाज तेल भरकर सीधे भारत आ सकते हैं। यूएई से 2 और अहम डील-यूएई, गुजरात के वडीनार में जहाज रिपेयरिंग का सेंटर बनाएगा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में खोली पोल तो बौखलाया पाक, कश्मीर और सिंधु जल संधि पर अलापा राग

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक बहस में आतंकवाद को लेकर भारत पर ही आरोप मढ़ दिए हैं। पाकिस्तान में दशकों से आतंकवाद को पनाह मिलने और टेरर ट्रेनिंग कैंप चलने की बात

सामने आती रही है। इन बातों को भारत के प्रतिनिधि पी हरीश ने यूएनएससी में उठाया तो पाकिस्तान की ओर से भारत पर भी ऐसे ही आरोप लगा दिए गए। पाकिस्तानी प्रतिनिधि साइमा सलीम ने दावा किया कि भारत आतंकवाद और आक्रामकता का सहारा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर रहा है। इससे पूरे क्षेत्र की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर कश्मीर और सिंधु संधि के मुद्दे पर भी पुराने बातों को संयुक्त राष्ट्र में कहा गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पार्वथनेनी ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मानवीय दायित्वों की अनदेखी करने और नागरिकों को निशाना बनाने के लिए जमकर लताड़ लगाई है। उन्होंने काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हवाई हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि कम से कम इस्लामाबाद को कश्मीर में मानवाधिकार की बात नहीं करनी चाहिए। इसके बाद पाकिस्तानी दूत ने अपनी बात रखी। भारत पर पाकिस्तान ने लगाए आरोप-भारतीय दूत की टिप्पणियों के जवाब में पाकिस्तान की प्रतिनिधि साइमा सलीम ने आरोप लगाया, 'भारत एक बार फिर इस परिषद में पीड़ित का नकाब पहनकर आया है लेकिन दुनिया उस नकाब के पीछे का चेहरा देख सकती है। यह एक ऐसे देश का चेहरा है, जो विदेशों में आतंकवाद फैलाता है और अस्थिरता पैदा करता है।' साइमा सलीम ने पाकिस्तान के पुराने राग को दोहराते हुए कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। भारत पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता है और क्षेत्र में आक्रामकता दिखाता है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की ओर से आतंकवाद को समर्थन की भारी मानवीय कीमत चुकानी पड़ी है। 'आतंकी गुटों को भारत की मदद' साइमा ने इस दौरान आरोप लगाया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड जैसे गुटों को अफगानिस्तान की धरती पर पनाह मिल रही है तो भारत से इनको वित्तीय मदद मिल रही है। ऐसे में पाकिस्तानी आर्मी ने इन गुटों को निशाना बनाया है तो इस पर सवाल नहीं होना चाहिए। साइमा ने कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि भारत कश्मीर में मानवाधिकार का लगातार हनन कर रहा है। कश्मीरियों के साथ जो बर्ताव हो रहा है, उस पर दुनिया को ध्यान देना चाहिए। साइमा ने एक बार फिर भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने के फैसले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति उसकी अवहेलना को दर्शाता है। पी हरीश-'दुनिया यह नहीं भूली है कि इसी साल मार्च में रमजान के पवित्र महीने के दौरान पाकिस्तान ने काबुल में 'उमीद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल' पर एक बर्बर हवाई हमला किया था। पाकिस्तान का आम लोगों को निशाना बनाने का पुराना रेकॉर्ड रहा है।' इससे पहले भारत ने यूएन सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसका नरसंहार के कृत्यों का लंबा और दागदार रिकॉर्ड है। पाकिस्तान अपनी सीमाओं के अंदर और बाहर हिंसा के जरिए अपनी अंदरूनी नाकामियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करता है। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथनेनी ने कहा कि विडंबना यह है कि पाकिस्तान ने ऐसे मुद्दों का जिक्र किया है जो पूरी तरह भारत के अंदरूनी मामले हैं। पाकिस्तान को कश्मीर पर बोलने की जगह अपने गिरेबान में झांकना चाहिए और देखना चाहिए कि वह क्या कर रहा है।

बंगाल- फालता के 285 बूथों पर दुबारा वोटिंग,दोगुने जवान तैनात, 24 मई को रिजल्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर आज दोबारा वोटिंग हो रही है। गुरूवार

को सुबह 9 बजे तक 20.47फीसदी वोटिंग हुई है। कुल 285 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। यहां शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। पिछली बार 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। आरोप था कि कुछ बूथ पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप चिपका था। कई अन्य बूथों पर ईवीएम में गड़बड़ी की खबरें आईं। इसके बाद चुनाव आयोग ने रीपोलिंग का आदेश दिया। रिजल्ट 24 मई को आएगा। चुनाव आयोग ने इस बार बूथों पर दोगुनी सुरक्षा कर दी है। पहले जहां हर बूथ पर 4 जवान तैनात होते थे। इस बार आठ जवानों की ड्यूटी लगाई जाएगी। फालता में मुख्य मुकाबला टीएमसी और भाजपा के बीच है। टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान मौखिक रूप से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का एलान कर चुके हैं। हालांकि उनकी ओर से ये बात लिखित में दिए जाने की सूचना नहीं है। ईवीएम में उनका नाम और सिंबल मौजूद है। 29 अप्रैल को मतदान के बाद फालता क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया था। उस दिन कई बूथों से शिकायतें मिली थीं कि ईवीएम पर भाजपा के सिंबल पर टेप चिपकाया गया। तत्कालीन ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता ने खुद निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और जांच-पड़ताल की। कम से कम 60 बूथों में छेड़छाड़ के सबूत मिले। ईवीएम में कथित हेरफेर के अलावा, जांच में यह भी सामने आया कि कई मतदान केंद्रों पर लगे वेब कैमरों में फुटेज के साथ भी छेड़छाड़ करने की कोशिशें की गई थीं। फालता विधानसभा सीट पहले सीपीआई (एम) का गढ़ मानी जाती थी, लेकिन अब यह तृणमूल कांग्रेस का मजबूत क्षेत्र बन चुकी है। टीएमसी ने पहली बार 2001 में यह सीट जीती थी। 2006 में सीपीआई (एम) ने वापसी की, लेकिन 2011 के बाद से टीएमसी लगातार यहां जीत दर्ज कर रही है। खास बात यह है कि बीजेपी अब तक इस सीट पर कभी जीत नहीं सकी।

यूपी का बांदा दुनिया में तीसरा सबसे गर्म शहर,नौतपा से 4 दिन पहले ही 48डिग्री पहुंचा तापमान

लखनऊ। 25 मई से नौतपा शुरू हो रहे हैं, लेकिन उससे पहले ही तापमान 48डिग्री पहुंच गया

है। यह आंकड़ा उत्तर प्रदेश के बांदा में रिकॉर्ड हुआ। तापमान के लिहाज से 20 मई को बांदा दुनिया का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा। बांदा से ज्यादा तापमान केवल मिस्र के असवान में 49.4डिग्री और सऊदी अरब के अराफात में 48.4डिग्री रहा। दुनियाभर में सबसे ज्यादा तापमान वाले टॉप-5 शहरों में खजुराहो 47.4डिग्री के साथ चौथे नंबर पर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक पाकिस्तान के बलूचिस्तान और थार मरुस्थल से आ रही सूखी-गर्म हवाएं सीधे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में पहुंच रही हैं। इससे मई के आखिरी हफ्ते और जून वाली गर्मी महसूस हो रही है। एम्स दिल्ली में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. नीरज निश्चल के मुताबिक सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक की धूप से बचें। बुजुर्ग, बच्चे और पहले से बीमार लोगों को ऐसी गर्मी से ज्यादा खतरा है। जब प्यास न भी लगे, गला न सूखे, फिर भी पानी पीते रहें। दिनभर में 4लीटर पानी पिएं। गर्मी के घंटों के दौरान कोई भी शारीरिक मेहनत का काम न करें। ढीले और हल्के रंग के कपड़े ही पहनें।बांदा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिनेश के मुताबिक देश में बांदा में सबसे ज्यादा तापमान होने के पीछे मुख्य कारण इसका कर्क रेखा के नजदीक होना है। इसके अलावा सीधी धूप, साफ आसमान, मिट्टी में नमी की कमी वाला पठारी इलाका, सूखती नदियां, जंगलों की कटाई और खनन शामिल हैं। मानसून का आगे बढ़ना भी रुक गया है। फिलहाल वह तीन दिन से एक ही स्थान अंडमान-निकोबार और कोलंबो के आसपास अटका हुआ है।

बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य-अहम फैसले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक

मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश 19 मई को जारी किया गया। जानकारी गुरुवार को सामने आई। सरकार के आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। नए आदेश के बाद अब क्लास शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा (असेंबली) में वंदे मातरम गाना जरूरी होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान 'जन गण मन' और कवि गुलाम मुस्तफा की 'अनंत असीम प्रेममय तुमी' (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों को इस आदेश को लागू करने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी। 9 मई को शुभेंदु सीएम बने, 12 दिनों में बंगाल सरकार के 12 बड़े फैसले-बीएसएफ को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन सौंपना- भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने और बाड़ (फेंसिंग) लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर दी जाएगी, जिससे सीमा से जुड़ा पुराना विवाद खत्म होगा। बंगाल में सीएए की प्रक्रिया शुरू- सीएए के तहत आने वाले 7 समुदायों और 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए लोगों को नागरिकता कानून का लाभ मिलेगा। पुलिस उन्हें हिरासत में नहीं ले सकेगी। आयुष्मान भारत और केंद्रीय योजनाओं को लागू करना- पश्चिम बंगाल सरकार अब केंद्र सरकार की 'आयुष्मान भारत' योजना से जुड़ गई है, जिसके तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

एसजेएस में ऑर्थोडोंटिक्स पर व्याख्यान का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। कचेहरी रोड स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल में आज प्रसिद्ध ऑर्थोडोंटिक्स डॉ.श्रेया मिश्रा त्रिवेदी ने स्कूली छात्र-छात्राओं कोऑर्थोडोंटिक्स विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि टेढेमेढ़े दांत, जबड़े और चेहरे के परेशानियों के शिकार बच्चे अक्सर किसी दूसरे लोगों से मिलने से हिचकिचाते हैं। ऐसे बच्चों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं है।

कार्यक्रम की शुरुवात में प्रधानाचार्य डॉ. बीना तिवारी ने त्रिवेदी का बुके देकर स्वागत किया। डॉ.श्रेया मिश्रा त्रिवेदी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऑर्थोडॉन्टिक्स में टेढेमेढ़े अनियमित दांत, जबड़े और चेहरा को ठीक करने की भी सुविधा है। उन्होंने कहा कि टेढे मेढ़े, अनियमित दांत व जबड़े का मुख्य कारण अनुवांशिकी होता है। इसके साथ ही अगूंठा चूसने, कुपोषण, जीभ के बनावट, गलत ढंग से भोजन करना भी इसकी वजह है। उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ.श्रेया मिश्रा त्रिवेदी का बुके देकर स्वागत बच्चों की दाँतो से जुड़ी हुई शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. बीना तिवारी ने डॉ.श्रेया मिश्रा त्रिवेदी को धन्यवाद देते हुए उन्हें स्कूल की तरफ से एक मोमेंटो भी प्रदान किया। यह जानकारी एसजेएस पब्लिक स्कूल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मनोज शर्मा ने दी।

305 नवचयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को वितरित किये गये नियुक्ति पत्र व स्मार्ट फोन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विधानसभा हरचन्दपुर के अंतर्गत नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा मंडी स्थल सतांव में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उ0प्र0 सरकार दिनेश प्रताप सिंह द्वारा प्रतिभाग किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उद्यान मंत्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा हरचन्दपुर क्षेत्र के अन्तर्गत विकास खण्ड सतांव, हरचन्दपुर, खीरों की 03-03 नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विकास खण्ड लालगंज एवं सरेनी की भी 03-03 नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन वितरित किए गए।विधानसभा हरचन्दपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड हरचन्दपुर की 58, सतांव 23, खीरों 73 कुल 154 नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिका एवं विकास खण्ड हरचन्दपुर की 139, सतांव 161, खीरों 183 कुल 483 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां स्मार्ट फोन से लाभान्वित हुई। इसके अलावा विकास खण्ड लालगंज 73, सरेनी की 78 नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिका एवं विकास खण्ड लालगंज 220 व सरेनी की 182 कुल 402 आंगनबाड़ी कायकत्रियां भी स्मार्ट फोन से लाभान्वित हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा0 उद्यानमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं समाज के अंतिम पंक्ति तक पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्मार्ट फोन वितरण से कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। उन्होंने नव नियुक्त सहायिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करें और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं ग्रामीण स्तर पर पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्मार्ट फोन वितरण से कार्य प्रणाली अधिक सुगम, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से मजबूत होगी। कार्यक्रम का संचलान एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, खण्ड विकास अधिकारी सतांव अंजूरानी वर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, सहायिकाएं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

आधुनिक समाचार-सांस्कृतिक विशेष रिपोर्ट

'शिवा स्वराजंलि' संगीत प्रतियोगिता का शुभारंभ, युवा प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। शहर की समृद्ध संगीत परंपरा को नई पहचान देने के उद्देश्य से ओम शिवा फाउंडेशन द्वारा 'शिवा स्वराजंलि' संगीत प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में शहर एवं आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में युवा कलाकारों ने भाग लिया। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता की पहली स्क्रीनिंग 26 जुलाई, दूसरी 30 अगस्त तथा तीसरी 27 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इसके बाद सेमीफाइनल 25 अक्टूबर और ग्रैंड फिनाले 31 अक्टूबर को होगा। प्रत्येक चरण में प्रतिभागियों की सुर, ताल, प्रस्तुति शैली और मंच संचालन क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने बताया कि बनारस की संगीत परंपरा विश्वभर में प्रसिद्ध है और यहां के युवाओं में अपार प्रतिभा मौजूद है। 'शिवा स्वराजंलि' का उद्देश्य इन कलाकारों को सही मंच और मार्गदर्शन प्रदान करना है ताकि वे अपनी कला के दम पर नई पहचान बना सकें। प्रतियोगिता में राग आधारित फिल्मी गीतों के माध्यम से प्रतिभागियों की गायकी और प्रस्तुति को परखा जाएगा। आयोजकों ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 10 जुलाई तक चलेगी। इस अवसर पर शहर के कलाकार, समाजसेवी, सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोग तथा बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर चला पुलिस का चाबुक, सड़क पर उतरे यमराज बताकर किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ा अभियान चलाया। सड़क पर बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों को रोककर न सिर्फ कार्रवाई की गई बल्कि यमराज के जरिए लोगों को सड़क सुरक्षा का संदेश भी दिया गया। यातायात क्षेत्राधिकारी चारु द्विवेदी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि नियमों की छोटी सी लापरवाही किस तरह जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर यातायात पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट बाइक चलाने, सीट बेल्ट का प्रयोग न करने और रॉन्ग साइड वाहन दौड़ाने वालों को रोककर कार्रवाई की गई। अभियान की खास बात यह रही कि सड़क पर यमराज बनाकर लोगों को जागरूक किया गया। ट्रैफिक पुलिस ने नियम तोड़ने वालों को समझाया कि सड़क हादसे केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे परिवार की जिंदगी बदल देते हैं। यातायात क्षेत्राधिकारी चारु द्विवेदी ने कहा कि नियम विरुद्ध वाहन चलाना खुद की जान के साथ-साथ दूसरों की जिंदगी को भी खतरे में डालना है। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि घर से निकलने वाला हर व्यक्ति अपने परिवार के लिए बेहद अहम होता है और छोटी सी लापरवाही बड़े हादसे में बदल सकती है। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा सुरक्षित वाहन चलाने की अपील।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-112 - आपातकालीन सेवा-1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन-1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन।

साइबर थाना/साइबर सेल सोनभद्र की बड़ी कार्यवाही, अश्लील/पोर्नोग्राफिक वीडियो सोशल मीडिया शेयर व अपलोड करने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के करने वाले 02 अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आए। अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं डिवाइस सत्यापन होने व अपलोड में प्रयुक्त डिवाइस व मोबाइल नं0 बरामद किया गया तथा उनके विरुद्ध गिरफ्तारी

निर्देशन में महिला एवं बाल यौन शोषण से संबंधित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा सोशल मीडिया एवं इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर अश्लील/पोर्नोग्राफिक सामग्री अपलोड करने वालों के विरुद्ध सतत निगरानी एवं कठोर कार्यवाही किए जाने हेतु साइबर सेल/साइबर थाना को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित National Center for Missing & Exploited Children (NCMEC) पोर्टल एवं साइबर ट्रिपलाइन प्रणाली (सोशल मीडिया के माध्यम से म्प्त् इदे-हर्दुज्ब/अश्लील वीडियो अपलोड करने वाले लोगों एवं बाल यौन शोषण से सम्बन्धित सूचना प्रदेश की कानून व्यवस्था मे लगी एजेन्सियों को सूचना देने का काम करती है।) के माध्यम से सोशल मीडिया पर Child Pornography/अश्लील वीडियो अपलोड किए जाने संबंधी सूचनाएं एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुईं, जिनमें 02 शिकायतें जनपद सोनभद्र से संबंधित पाई गईं। जांच के दौरान साइबर सेल द्वारा संबंधित यूजर की मोबाइल डिटेल, आईपी डिटेल एवं प्रोफाइल डिटेल प्राप्त की गई, जिसमें अश्लील/पोर्नोग्राफिक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड हेतु प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित कर थाना दुद्धी एवं थाना ओबरा पुलिस द्वारा अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिसमें आज सफलता प्राप्त करते हुए सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम के माध्यम से इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर अश्लील/पोर्नोग्राफिक सामग्री अपलोड करने वाले सैफ को दुद्धी कस्बा से व राहुल कुमार को ओबरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण- 1. सैफ पुत्र खजमुद्दीन निवासी वार्ड नं0-09, रामनगर दुद्धी, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। 2. राहुल कुमार पुत्र रामकिशुन निवासी गुरुद्वारा गली, चोपन रोड ओबरा, थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। पूछताछ का विवरण- पूछताछ के दौरान अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि उनके मित्रों का एक सोशल मीडिया ग्रुप है, जिसमें इंस्टाग्राम/फेसबुक आदि माध्यमों से एक-दूसरे को वीडियो भेजे जाते थे। अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उक्त अश्लील वीडियो अधिक व्यूज प्राप्त करने एवं आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया/वेबसाइट प्लेटफॉर्म पर अपलोड/शेयर किए जाते थे। कार्यवाही का विवरण- उक्त सूचना तस्दिक एवं बरामदगी के आधार पर थाना दुद्धी पर मु0अ0सं0- 148/2026 धारा 77, 294 बीएनएस व 67ए आईटी एक्ट एवं थाना ओबरा पर मु0अ0सं0- 112/2026 धारा 77, 294 बीएनएस व 67बी आईटी एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम- प्र0नि0 धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर थाना/साइबर सेल, जनपद सोनभद्र। प्र0नि0 धर्मेन्द्र कुमार सिंह, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र। प्र0नि0 सदानन्द राय, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। चौकी प्रभारी दुद्धी हरिकेश राम आजाद, जनपद सोनभद्र। हे0का0 संतोष पटेल, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। हे0का0 शिवनन्दन सिंह, का0 अखिलेश यादव, का0 सुनील रावत, का0 अभिषेक तिवारी, साइबर थाना/साइबर सेल टीम, जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की अश्लील, आपत्तिजनक अथवा बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री को सोशल मीडिया पर अपलोड, शेयर अथवा फॉरवर्ड न करें। ऐसा करना गंभीर साइबर अपराध की श्रेणी में आता है तथा दोषी पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन की पहलः राघव ग्लोबल स्कूल में दो दिवसीय महिला स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। राघव ग्लोबल स्कूल

सेक्टर 122 में बुधवार को फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन के तत्वावधान में महिला स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर दो दिवसीय विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इसमें फिजियोथेरेपिस्ट, अर्गोनॉमिस्ट एवं निदेशक डॉ. महिपाल सिंह द्वारा की गई है, जिसका उद्देश्य स्कूलों और कार्यस्थलों पर महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता फैलाना है।सत्र का संचालन ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट एवं प्रबंध निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुष्मिता भाटी ने किया। विशेषज्ञों ने छात्राओं को महिला स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता और मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों पर जानकारी देने के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण व्यायाम भी सिखाए। राघव ग्लोबल स्कूल की पप्रधानाचार्य डॉ. प्रियंका घोष के सहयोग से यह सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और खुले मन से अपने सवाल पूछे। विशेषज्ञों और स्कूल प्रबंधन ने कहा कि इस तरह के सत्र स्कूलों और कार्यस्थलों पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए ताकि किशोरियों और महिलाओं को सही जानकारी मिले और वे स्वस्थ जीवन जी सकें।

बुद्ध विहार गंगौली सोइया के लिए ईंट सोलिंग मार्ग पूर्णता की ओर अग्रसर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। इस

समय सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया अमेठी तक सुगमता पूर्वक पहुंचने के लिए ईंट सोलिंग मार्ग का निर्माण कार्य तेजी पर है। यह मार्ग जिला पंचायत अमेठी के अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रहरि की पहल पर पंचम राज्य वित्त अनुदान योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 के तहत किया जा रहा है। इसके लोकार्पण का शिलालेख बुद्ध विहार गंगौली सोइया तक पहुंच गया है। फिलहाल लोकार्पण की तारीख अभी घोषित नहीं की गयी है। सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया के कई पदाधिकारियों व सदस्यों ने इस उपलब्धि पर खुशी का इजहार किया है।

बाल विवाह रुकवाया, नाबालिग संरक्षण में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्राम गोठानी, थाना जुगैल क्षेत्र में चाइल्ड हेल्पलाइन की

तत्परता से एक बाल विवाह रुक गया। कंट्रोल रूम 1098 पर सूचना मिली थी कि गांव में नाबालिग बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना पर परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने सीमा शर्मा, सत्यम चौरसिया व अंशु गिरी की टीम गठित कर मौके पर भेजा। कार्रवाई में थाना जुगैल पुलिस का सहयोग लिया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर बालिका के आयु संबंधी दस्तावेज जांचे। दस्तावेजों से नाबालिग होने की पुष्टि होते ही टीम व पुलिस ने हस्तक्षेप कर विवाह रुकवाया। बालिका को संरक्षण में लेकर थाना जुगैल में जीडी दर्ज की गई। बालिका को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सीडब्लूसी द्वारा उसके पुनर्वास, शिक्षा व काउंसलिंग की व्यवस्था की जाएगी।परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने दोहराया कि बाल विवाह पर जीरो टॉलरेंस है। लोगों से अपील की गई है कि सूचना 1098 पर दें।

खनिजो के अवैध परिवहन पर की गई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार

सिंह के निर्देशानुसार बुधवार को शहडोल जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर रोक लगाने खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त टीम द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। प्रभारी खनिज निरीक्षक वृत्त-ब्यौहारी के द्वारा तहसील ब्यौहारी के विभिन्न क्षेत्रों में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु जांच कार्यवाही की गई। तहसील ब्यौहारी अंतर्गत खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं। उक्त शिकायतों को संज्ञान में लेकर खनिज विभाग के उक्त क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान आनंद फीलिंग पेट्रोल पम्प के पास तहसील ब्यौहारी में 01 वाहन हाईवा की जांच की गई। वाहन में लोड खनिज रेत के परिवहन से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर वाहन चालक के कब्जे से वाहन मय खनिज रेत जब्त कर वाहन को शासकीय अभिरक्षा थाना ब्यौहारी में सुरक्षार्थ भिजवाया गया। पुलिस थाना ब्यौहारी एवं खनिज विभाग के साथ संयुक्त रूप से ग्राम जमुड़ी, देवी दाई मंदिर के पास ब्यौहारी तहसील ब्यौहारी एवं अन्य क्षेत्रो में लावारिस खनिज रेत लगभग कुल 100 घनमीटर का विनष्टीकरण किया गया।

सोनभद्र कांग्रेस कार्यालय पर भारत रत्नपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि मनायी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री

स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया ।

जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक संयुक्त बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

सुबह 10:00 बजे जिला कार्यालय में भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, सर्वप्रथम राजीव गांधी जी की प्रतिमा पर जिला अध्यक्ष राम राज सिंह गोंड शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने माल्यार्पण किया तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की उसके बाद श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्री रामराज गोंड ने कहा कि- कि राजीव गांधी जी ने देश में पंचायती राज व्यवस्था लागू कर सत्ता का विकेंद्रीकरण किया और सूचना क्रांति व युवा सशक्तिकरण के माध्यम से भारत को 21वीं सदी में एक नई दिशा दी।

उनका सर्वोच्च बलिदान देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। शहर अध्यक्ष फरीद अहमद ने कहा कि राजीव जी एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति लाकर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। आज देश जिस डिजिटल युग का लाभ उठा रहा है, वह उन्हीं की सोच का परिणाम है। पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने कहा कि राजीव जी ने युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार देकर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया।

इस अवसर पर सभी कांग्रेस जन उनके बताए आदर्शों पर चलने का सामूहिक संकल्प लेंगे।

इस बैठक में मुख्य रूप से शहर अध्यक्ष फरीद अहमद, पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, पीसीसी सदस्य व कोषाध्यक्ष राजबली पांडे, पूर्व जिला प्रवक्ता गोपाल पाठक, आरटीआई चेयरमैन श्रीकांत मिश्रा, शहर उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार चौबे, शंकर भारतीय, राधेश्याम पटेल, जिला सचिव व कंट्रोल प्रभारी आशीष सिंह, जिला सचिव मंजू देवी, ब्लॉक अध्यक्ष लल्लू राम पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष अमरेश देव पांडे और डॉ. शर्मा उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

आरोही बृजेश बोलीं- सफलता का श्रेय शिक्षिका रचना श्रीवास्तव को, मार्गदर्शन ने पहुंचाया मुकाम तक

रेणुसागर की प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर पर चमकी, वीवीएम में यूपी का बढ़ाया गौरव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आईआईटी गांधीनगर में 16 एवं 17 मई 2026 को आयोजित प्रतिष्ठित वीवीएम राष्ट्रीय स्तर चौथा चरण प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए आरोही बृजेश ने शानदार प्रदर्शन किया। इससे पूर्व उन्होंने गोरखपुर में आयोजित राज्य स्तरीय वीवीएम प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के लिए स्थान बनाया था। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में भारत एवं विदेशों से आए 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आरोही ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेंट्रल ज़ोन, जिसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, बिहार एवं झारखंड के प्रतिभागी शामिल थे, में शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में अपनी जगह बनाई। राष्ट्रीय स्तर पर इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पुरस्कार स्वरूप आरोही को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र जैसे देश के प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों में तीन सप्ताह के विशेष इंटर्नशिप कार्यक्रम हेतु पात्रता प्राप्त हुई है। वर्तमान में आरोही आईआईटी खड़गपुर के 'कृति' रिसर्च प्रोग्राम के अंतर्गत छह सप्ताह की रिसर्च इंटर्नशिप में सहभागिता कर रही हैं। आरोही इस समय डीपीएस रांची की छात्रा हैं। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पूर्व विद्यालय द आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रेणुसागर की शिक्षिका रचना श्रीवास्तव को दिया, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरोही की इस उपलब्धि से रेणुसागर सहित पूरे सोनभद्र जिले में हर्ष का माहौल है।

डा. संजय सिंह बोले- बेटी ने दादा की राह पर चलकर शिक्षा क्षेत्र में सेवा का सपना किया साकार

23 वर्ष की उम्र में जाह्नवी संजय बनीं असिस्टेंट प्रोफेसर, हरियाणा लोक सेवा आयोग में पाया दूसरा स्थान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। यह कहावत भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा रॉबर्ट्सगंज में तैनात शाखा प्रबंधक डा. संजय सिंह की बेटी जाह्नवी संजय पर सटीक बैठती है, जिसने मात्र 23 वर्ष की उम्र में लोक सेवा आयोग हरियाणा द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा पास कर रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर कीर्तिमान स्थापित किया है।उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के कमालसेनपुर (कोलौरा) गांव में पैदा हुई जाह्नवी शुरू से ही कुशाग्र बुद्धि की बालिका रही हैं। दादा इंटर कॉलेज में प्रवक्ता थे, इसलिए उन्होंने अपने दादा की राह पर चलते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सेवा करने का लक्ष्य बनाया। सेंट्रल गर्ल्स स्कूल वाराणसी से सीबीएसई बोर्ड से इंटरमीडिएट परीक्षा टॉप करने के बाद ग्रेजुएशन में भूगोल ऑनर्स में भी टॉप किया। इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से मात्र 19 वर्ष की उम्र में जियोग्राफी विषय में पोस्ट ग्रेजुएट करने के बाद आईआईटी दिल्ली से रिसर्च कर रही थीं। इसी दौरान हरियाणा लोक सेवा आयोग के माध्यम से निकाली गई असिस्टेंट प्रोफेसर की वैकेंसी का फॉर्म भर दिया। सम्पन्न हुई परीक्षा के बाद घोषित रिजल्ट में उन्होंने दूसरा स्थान हासिल कर अपना टॉपर बनने वाला रिकॉर्ड कायम रखा। यदि जाह्नवी पीएचडी पूरी कर लेतीं तो इस परीक्षा में दूसरे स्थान की जगह पहले स्थान पर होतीं। मात्र 23 वर्ष की उम्र में बेटी की इस उपलब्धि पर पिता डा. संजय सिंह, माता अर्चना सिंह समेत परिवार के सभी सदस्यों में खुशी की लहर है। एलआईसी रॉबर्ट्सगंज के शाखा प्रबंधक डा. संजय सिंह ने बताया कि जाह्नवी ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रतिष्ठित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है।कार्यभार ग्रहण करने की जानकारी मिलते ही शाखा प्रबंधक डा. सिंह ने शाखा के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर खुशखबरी साझा की। जानकारी मिलते ही सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने शाखा प्रबंधक को बधाई दी।

डस्ट प्रदूषण पर सख्त हुए जिलाधिकारी, प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिदिन चलेगी स्मोक गन

नगर पंचायत डाला, ओबरा व अनपरा में विशेष अभियान शुरू, आर0ओ0पी0सी0बी0 करेगें मॉनिटरिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में डस्ट नियंत्रण एवं प्रदूषण निस्तारण को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कल आयोजित की गई। बैठक में जनपद के डस्ट प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि नगर पंचायत डाला, ओबरा एवं अनपरा क्षेत्र के अधिक धूल प्रभावित इलाकों में स्मोक गन के माध्यम से प्रतिदिन नियमित जल का छिड़काव कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह अभियान प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक तथा सायं 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक संचालित किया जाए, जिससे आमजन को धूल प्रदूषण से राहत मिल सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण शासन की प्राथमिकता में शामिल है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क किनारे उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव, साफ-सफाई एवं निर्माण कार्यों में मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आर0ओ0यू0पी0पी0सी0बी0 को नगर पंचायतों द्वारा कराए जा रहे छिड़काव कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें, ताकि जनपदवासियों को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने आर0ओ0यू0पी0सी0बी0 को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में संचालित कम्पनियों क्रसर प्लान्टों आदि का नियमित रूप से निरीक्षण टीम द्वारा किया जाये और अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले कम्पनियो/क्रसर प्लान्टों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होने कहा कि फ्लाई एस सड़को के किनारे अनाधिकृत तरीके से फेका हुआ पाया जाता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, आर0ओ0 यू0पी0पी0सी0बी अधिकारी श्री आर0के0 सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

रूबी प्रसाद बोलीं- ईंधन बचत से पर्यावरण संरक्षण के साथ भविष्य भी होगा सुरक्षित

पेट्रोलियम बचत को लेकर नगर अध्यक्ष की अनूठी पहल, इलेक्ट्रिक टोटो से पहुंचीं कार्यालय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पेट्रोलियम बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूर्व विधायक व नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने अनूठी पहल की है। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद मंगलवार को अपने आवास से इलेक्ट्रिक टोटो से चलकर नगर पालिका कार्यालय पहुंचीं। कार्यालय पहुंचकर उन्होंने कर्मचारियों का हाल जाना और संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों से हफ्ते में चार दिन ईंधन बचाने की अपील करते हुए ऊर्जा संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से बस, ई-रिक्शा और सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील की। नपा अध्यक्ष ने सप्ताह में कम से कम चार दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का सुझाव दिया। साथ ही ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा देकर ईंधन बचत सुनिश्चित करने पर जोर दिया। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने और साइकिल के इस्तेमाल की भी अपील की। रूबी प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री की अपील पर ईंधन बचत से पर्यावरण संरक्षण के साथ भविष्य भी सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव लाए तो बड़े स्तर पर ईंधन की बचत संभव है। इससे न सिर्फ प्रदूषण कम होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संसाधन बचेंगे। नपा अध्यक्ष की इस पहल की नगर में चर्चा हो रही है। कार्यालय के कर्मचारियों ने भी उनके सुझावों पर अमल करने का आश्वासन दिया।इस दौरान जेई राज कुमार राज, सभासद अनवर अली, अजीत सिंह, सुजीत कुमार आदि लोग मौजूद रहें।

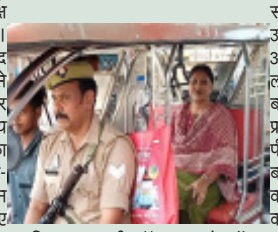

खरीफ अभियान-2026 हेतु सहकारी समितियों पर उर्वरक उपलब्धता बढ़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के किसान भाइयों को खरीफ अभियान-2026 के दौरान उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के उपरांत दिनांक 05 मई 2026 को जनपद की 41 सहकारी समितियों में कुल 769.500 मीट्रिक टन यूरिया तथा दिनांक 20 मई 2026 को 05 सहकारी समितियों में कुल 121.000 मीट्रिक टन पीपीएल फास्फेटिक उर्वरक के आवंटन को अनुमोदन प्रदान किया गया है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, सोनभद्र ने अवगत कराया कि आवंटित उर्वरकों के सापेक्ष पीसीएफ द्वारा सहकारी समितियों एवं उर्वरक बिक्री केंद्रों पर उर्वरक भेजने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है, जिससे किसानों को समय से उर्वरक उपलब्ध हो सके। कृषक बंधुओं से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा उर्वरक केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। यदि कहीं कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा कृत्रिम अभाव की शिकायत मिले तो तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 9198788248, 9451637073 अथवा जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के मोबाइल नंबर 9452165778 एवं अपर जिला कृषि अधिकारी के मोबाइल नंबर 8881173660 पर सूचना दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

टेंपरेचर बढ़ने पर बदलता हैं व्यवहार- गुस्सा, चिड़चिड़ापन,समझें ब्रेन और इमोशंस पर हीट का असर

नयी दिल्ली। गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में

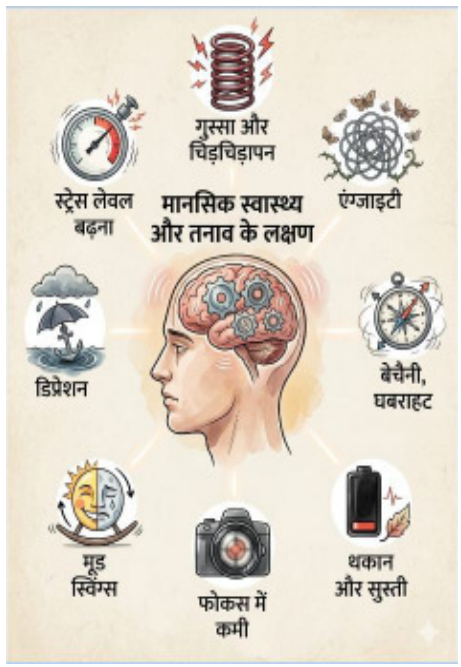

फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम्स और एंजाइटी, डिप्रेशन, बेचैनी, घबराहट, मूड स्विंग्स, थकान, फोकस में कमी और सुस्ती। सवाल- क्या ये साइंटिफिकली प्रूवेन है कि हीट वेव के दौरान स्ट्रेस, स्लीप प्रॉब्लम या मूड स्विंग्स के केस बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, हीट वेव के समय

मूड स्विंग्स से जुड़े केस बढ़ सकते हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, गर्मियों में मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट के केस 8फीसदी तक बढ़ जाते हैं। डिहाइड्रेशन, खराब स्लीप पैटर्न और डेली रूटीन में बदलाव मिलकर 'मेंटल बैलेंस' को प्रभावित करते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज जानेंगे कि गर्मी ब्रेन को कैसे प्रभावित करती है। किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? इससे बचने के आसान उपाय क्या हैं?साथ ही जानेंगे कि- विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नीलशा भेरवानी, सीनियर कंसल्टेंट, क्लिनिकल साइकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने पर हमारे मूड और ब्रेन फंक्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर होने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे फोकस और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है। ब्रेन में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे फील गुड हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे मूड स्विंग, बेचैनी और गुस्सा बढ़ने की संभावना रहती है। स्लीप क्वालिटी खराब हो सकती है, जो ब्रेन फंक्शन को प्रभावित करती है। लंबे समय तक हीट एक्सपोजर से निर्णय लेने की क्षमता और फोकस भी कमजोर हो सकता है। सवाल- गर्मी बढ़ने पर किस तरह की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? जवाब- गर्मी का असर ब्रेन और इमोशंस पर भी पड़ता है। इससे डिहाइड्रेशन, नींद की कमी और हार्मोनल बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कौन-सी मेंटल हेल्थ समस्याएं हो सकती हैं, स्ट्रेस लेवल बढ़ना, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, हो सकता है, जिससे गुस्सा या उदासी जल्दी आती है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से कन्फ्यूजन और चिड़चिड़ापन भी बढ़ सकता है। सवाल- कौन-से मानसिक और बिहेवियरल लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या ये गर्मियों में ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- मानसिक और व्यवहार से जुड़े कुछ बदलाव ऐसे होते हैं, जो बताते हैं कि ब्रेन और इमोशन्स पर दबाव बढ़ रहा है। हीट स्ट्रेस से ये लक्षण ज्यादा स्पष्ट और गंभीर हो सकते हैं। कुछ लोगों में इस मौसम में एंग्जाइटी, मूड स्विंग्स, थकान और अन्य मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा हो सकता है। सवाल- अगर किसी को एंग्जाइटी, डिप्रेशन या स्लीप डिसऑर्डर है तो क्या गर्मियों में स्थिति और बिगड़ सकती है? जवाब- हां, गर्मी ज्यादा होने पर ये समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पॉइंटर्स में समझिए- पसीने के साथ इलेक्ट्रोलाइट लॉस होने से ब्रेन फंक्शन और मूड कंट्रोल प्रभावित हो सकता है। तेज रोशनी और दिन लंबे होने से सर्कैडियन रिद्म बिगड़ सकती है, जिससे स्लीप क्वालिटी खराब होती है। डिहाइड्रेशन के कारण कंसंट्रेशन और एंग्जाइटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।ज्यादा थकान और लो एनर्जी डिप्रेशन के लक्षणों को ट्रिगर कर सकती हैं। सवाल- गर्मियों में कौन-सी हैबिट्स दिमाग और मूड पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिनसे बचना चाहिए? जवाब- लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव पॉइंटर्स में समझिए- सुबह या शाम के ठंडे समय में हल्की एक्सरसाइज या वॉक करें।पूरे दिन में पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लें। स्लीप हाइजीन सुधारें, कमरे का टेम्परेचर कम रखें और लाइट कम रखें। डाइट में ताजे फल, सलाद और ओमेगा-3 से भरपूर फूड्स शामिल करें। दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लें और रिलैक्सेशन टेक्नीक (जैसे डीप ब्रीदिंग) अपनाएं। सनलाइट एक्सपोजर सीमित रखें।डेली रूटीन नियमित बनाए रखें। सवाल- मूड और ब्रेन हेल्थ के लिए गर्मियों में कैसी डाइट होनी चाहिए? जवाब- ऐसी डाइट लें, जो शरीर को हाइड्रेटेड, हल्की और न्यूट्रिएंट-डेंस रखे, ताकि ब्रेन को लगातार ग्लूकोज और माइक्रोन्यूट्रिएंट मिलते रहें। सवाल- जो लोग आउटडोर काम करते हैं या ज्यादा गर्मी में रहते हैं, उन्हें मेंटल वेलबीइंग के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- काम के दौरान हर 30-40 मिनट में शेड या ठंडी जगह पर छोटा ब्रेक लें, ताकि ब्रेन ओवरहीटिंग से बच सके। ढीले, हल्के रंग के कपड़े पहनें, जिससे शरीर का टेम्परेचर कंट्रोल में रहता है और थकान कम होती है। काम की टाइमिंग संभव हो तो सुबह या देर शाम रखें। इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक या नींबू पानी लेने से नर्व और मसल फंक्शन बेहतर रहता है। सीधे सनलाइट एक्सपोजर से बचें। काम के बाद रिलैक्सेशन मेंटल स्ट्रेस और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। ज्यादा गर्मी से शरीर का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम लगातार एक्टिव रहता है, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है। रात में भी टेम्परेचर ज्यादा रहने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, जो मूड को प्रभावित करती है। सवाल- हाई-टेम्परेचर के कारण डिहाइड्रेशन होने पर मेंटल हेल्थ पर क्या असर होता है? जवाब- डिहाइड्रेशन से ब्रेन सेल्स तक ब्लड और ऑक्सीजन सप्लाई प्रभावित हो सकती है, जिससे सोचने की क्षमता घटती है। शरीर में फ्लूइड कम होने से फोकस और अलर्टनेस में कमी महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण लो एनर्जी और मानसिक सुस्ती बढ़ सकती है। इमोशनल कंट्रोल कमजोर गर्मियों में ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी से ब्रेन पर स्ट्रेस हार्मोन बढ़ सकता है। हाई कैफीन या शुगरी ड्रिंक लेने से मूड स्विंग्स और हार्ट रेट बढ़ सकती है। देर रात तक स्क्रीन यूज करने से मेलाटोनिन रिलीज कम होता है और स्लीप साइकल बिगड़ती है। अनियमित बोजन या जंक फूड से ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन होता है, जो इमोशनल स्टेबिलिटी को प्रभावित करता है। एसी और बाहर की गर्मी के बीच बार-बार एक्सपोजर से शरीर पर एडजस्टमेंट स्ट्रेस बढ़ता है। पानी कम पीने से भी मेंटल और फिजिकल परफॉर्मेंस घट सकती है। सवाल- गर्मियों में 'मेंटल बैलेंस' के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? एक्टिविटी (म्यूजिक, मेडिटेशन) करें। सवाल- अगर तेज गर्मी में घबराहट, बेचैनी या पैनिक जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत क्या करना चाहिए?जवाब- तुरंत ठंडी या हवादार जगह पर बैठें या लेटें ताकि शरीर का टेम्परेचर धीरे-धीरे कम हो सके। धीरे-धीरे गहरी सांस लेने से नर्वस सिस्टम शांत होता है और पैनिक कम होता है। ठंडा पानी या ओआरएस के छोटे-छोटे घूंट लें, इससे ब्रेन को ब्लड फ्लो सपोर्ट मिलता है। चेहरे, गर्दन या कलाई पर ठंडा पानी डालने से कूलिंग रिस्पॉन्स जल्दी शुरू होता है। अगर कपड़े टाइट हों तो ढीले करें और शरीर को रिलैक्स रखें। ये लक्षण लगातार बने रहें, चक्कर या उल्टी आए तो मेडिकल हेल्प जरूर लें।

एस्टन विला 30 साल बाद बनी यूरोपा लीग चैंपियन

नयी दिल्ली। इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब एस्टन विला ने इस्तांबुल में खेले गए यूरोपा लीग फाइनल में जर्मनी के एससी फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ क्लब ने ट्रॉफी जीतकर फैंस का 30 साल का इंतजार खत्म किया। एस्टन विला ने 1996 के बाद पहली बड़ी घरेलू ट्रॉफी और 1982 के बाद पहली बड़ी यूरोपीय ट्रॉफी जीती। टीम की सफलता में मैनेजर उनाई एमेरी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने रिकॉर्ड पांचवीं बार यूरोपा लीग का खिताब जीता। फाइनल की शुरुआत से ही एस्टन विला ने खेल पर कंट्रोल बनाए रखा। शुरुआती मिनटों में मॉर्गन रोजर्स ने फ्रीबर्ग के गोलकीपर नूह अतुबोलू को शानदार शॉट से सतर्क कर दिया था। इसके बाद विला ने लगातार हमले किए और हाफ-टाइम से पहले पहला गोल दागकर बढ़त बना ली।पहले हाफ में दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं, तभी एस्टन विला ने फ्रीबर्ग के डिफेंस को भेद दिया। कॉर्नर पर मॉर्गन रोजर्स ने पेनल्टी एरिया में सटीक क्रॉस दिया, जिसे यूरी टाईलेमैंस ने गोल में बदल दिया। यह टाईलेमैंस का पूरे सीजन में दूसरा गोल था। उन्होंने दिसंबर के बाद पहला गोल फाइनल में दागा। फ्रीबर्ग पहले गोल से उबर भी नहीं पाया था कि कुछ मिनट बाद एस्टन विला ने दूसरा गोल कर दिया।

फिल सॉल्ट इस हफ्ते आईपीएल में वापसी करेंगे,आरसीबी के ओपनर को उंगली में चोट लगी थी, इलाज के लिए इंग्लैंड गए थे

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ओपनर फिल सॉल्ट फिंगर इंजरी के बाद इस हफ्ते

भारत लौट रहे हैं। 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्हें फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। सॉल्ट के बाएं हाथ की उंगली में इंजरी थी। इसके बाद वह इलाज के लिए अपने देश इंग्लैंड लौट गए थे। सॉल्ट की जगह बेथेल ने ओपनिंग की- सॉल्ट की गैरमौजूदगी में जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की। हालांकि बेथेल का प्रदर्शन खराब रहा। वह 7 पारियों में सिर्फ 96 रन बना सके हैं, जिसमें 27 रन उनकी बेस्ट पारी रही है। इसके बावजूद बेथेल 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के लीग का आखिरी मुकाबला खेल सकते हैं। चोट से पहले सॉल्ट शानदार फॉर्म में थे-टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सॉल्ट ने आईपीएल में फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने इस सीजन 6 पारियों में 168.33 की स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। पिछले सीजन टीम की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने 2025 में 175.98 की स्ट्राइकर रेट से 403 रन बनाए थे। आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह बनाई- आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है। टीम ने 17 मई को पंजाब किंग्स को 23 रन से हराकर टॉप-4 में जगह बनाई। अगर नेट रन रेट में बड़ा उलटफेर नहीं हुआ, तो टीम 26 मई को धर्मशाला में क्वालीफायर-1 खेलेगी। रेगुलर कप्तान रजत पाटीदार हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्हें पिछले हफ्ते कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में हेलमेट पर चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने अगला मुकाबला नहीं खेला था। उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कप्तानी की थी।

पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद आमिर ब्रिटिश नागरिक बने,पत्नी के आधार पर मिला यूके पासपोर्ट

आईपीएल से मंजूरी मिलने पर ऑक्शन में करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

इस्लामाबाद। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज

मोहम्मद आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई है। उनकी पत्नी नरजिस खान ब्रिटिश नागरिक हैं और इसी आधार पर उन्होंने कुछ साल पहले नागरिकता के लिए आवेदन किया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें यूके पासपोर्ट जारी कर दिया गया। हालांकि, वह आईपीएल में खेल पाएंगे या नहीं, इसे लेकर संशय है। 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद दूसरी बार संन्यास लिया- आमिर ने 2020 में संन्यास लिया था, फिर 2024 में वापसी की थी। लेकिन 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से ड्रॉप होने पर फिर संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी टी-20 मैच 2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। आमिर पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था। अजहर ब्रिटिश नागरिकता लेने के बाद आईपीएल खेले-पाकिस्तानी खिलाड़ी 2008 के पहले आईपीएल सीजन के बाद से टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बने हैं। हालांकि, पाकिस्तान में जन्मे अजहर महमूद बाद में आईपीएल खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी रहे। ब्रिटिश पासपोर्ट मिलने के बाद उन्होंने इंग्लैंड खिलाड़ी के तौर पर 2012 से 2015 के बीच आईपीएल में 23 मैच खेले थे। अब आमिर की तुलना उनसे की जा रही है। आईपीएल नियमों के तहत मंजूरी मिलने पर आमिर ऑक्शन के लिए रजिस्टर कर सकते हैं- आईपीएल नियमों के तहत मंजूरी मिलने पर वह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर विदेशी खिलाड़ी कैटेगरी में ऑक्शन के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। हालांकि, आईपीएल में खेलना इस पर निर्भर करेगा कि कोई फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदती है या नहीं।

इंग्लैंड में कैसे मिलता है खिलाड़ी का दर्जा? हालांकि, इंग्लैंड में घरेलू खिलाड़ी का दर्जा पाने के नियम अलग हैं। काउंटी क्रिकेट के मुताबिक सिर्फ ब्रिटिश नागरिक होना काफी नहीं है। खिलाड़ी ने पिछले 12 महीनों में इंग्लैंड के बाहर किसी फुल मेंबर देश के लिए प्रोफेशनल क्रिकेट नहीं खेला होना चाहिए। यहीं आमिर का मामला उलझता नजर आता है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में रावलपिंडी के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर खेला था। ऐसे में सिर्फ यूके पासपोर्ट मिलने से उन्हें तुरंत इंग्लैंड में लोकल खिलाड़ी का दर्जा नहीं मिलेगा।

टेनिस स्टार्स पर ब्रांड्स की होड़ लगी, रिकॉर्ड तोड़ भीड़ वाले खेल को मिला ग्लैमर का तड़का- कोर्ट बना फैशन का नया रनवे

न्यूयॉर्क। दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना

सबालेंका जब इटैलियन ओपन टूर्नामेंट के दौरान हाथ में नई लॉन्च हुई गुच्ची पापरात्सो बैग लेकर कोर्ट पर उतरीं, तो साफ हो गया कि लग्जरी फैशन अब टेनिस जगत में भी गहराई से उतर चुका है। गुच्ची ने जनवरी में सबालेंका को ब्रांड एंबेसडर बनाया था। इससे पहले वह जुलाई 2022 में पुरुषों के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर को साइन कर चुका है। इसके बाद कई लग्जरी ब्रांड्स टेनिस खिलाड़ियों के साथ जुड़ गए। लुई वीटन ने स्पेन के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज को साइन किया। डियोर ने चीन की झेंग क्विनवेन को जोड़ा। बरबरी ने ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को लिया। मियू मियू ने कोको गॉफ और न्यू बैलेंस के साथ टेनिस कलेक्शन बनाया और फिर बाद में गॉफ को साइन भी कर लिया। बोटेगा वेनेटा ने इटली के लोरेंजो मुसेत्ती को जोड़ा। इस साल टेनिस देखने वाले दर्शकों में 39 फीसदी बढ़े-अमेरिकी टेनिस संघ यूएसटीए के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में 2025 में टेनिस खेलने वालों की संख्या 16 लाख बढ़ी। 2019 के मुकाबले यह 54फीसदी ज्यादा है। टेनिस चैनल ने इस साल इंडियन वेल्स में अब तक की सबसे ज्यादा व्यूअरशिप देखी, इसमें 39फीसदी बढ़ोतरी हुई। सब्सक्रिप्शन साइन-अप्स भी पिछले साल के मुकाबले 150फीसदी बढ़े हैं। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स में भीड़ बढ़ी है। खिलाड़ियों के परिवार तक पहुंचा ब्रांड्स का फोकस-लग्जरी ब्रांड्स अब खिलाड़ियों के अलावा टेनिस के पूरे माहौल पर ध्यान दे रहे हैं। मैचों में खिलाड़ियों की पार्टनर्स, परिवार, प्रेमिकाएं और सोशल मीडिया प्रभावशालियों की मौजूदगी बहुत बढ़ गई है। रचनात्मक रणनीति एजेंसी 'एफआरएम' के मुताबिक, अब इन महिलाओं की पहचान बदल चुकी है। इंटरनेट पर इनका खुद का एक स्वतंत्र मुकाम है। युवा फैंस तक पहुंचने की कोशिश में लग्जरी ब्रांड गुच्ची का कहना है कि टेनिस एक्सक्लूसिव जरूर हो सकता है, लेकिन इसकी ग्लोबल अपील है।

विंबलडन, मियामी और यूएस ओपन जैसे टूर्नामेंट अलग तरह के दर्शकों को खींचते हैं। ब्रांड्स समझ चुके हैं कि ग्रोथ के लिए उन्हें सिर्फ अल्ट्रा-रिच तक सीमित नहीं रहना है। टेनिस उन्हें अमीर खरीदारों और युवा फैंस, दोनों तक पहुंचने का मौका देता है।

क्या यह? संकट बीतने के बाद भी हम सादगी का सबक याद रखेंगे?

ऊर्जा संकट के बीच देश में विभिन्न क्षेत्रों के लीडर्स अपनी बड़ी कारों और उसके काफिले

को छोड़ साइकिल या पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर सवारी करते दिखे। 1970 के दशक के दौरान भी वह दौर आया था, जब तेल संकट के बीच संसार के कई देशों में परिवहन व्यस्था में बदलाव आया। तब नीदरलैंड, डेनमार्क और यूरोप के कई देशों में साइकिल-लेन का विस्तार किया गया और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी गई। भारत में भी अब प्रधानमंत्री ने नागरिकों से पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल कम करने, मेट्रो और बसों का उपयोग करने या साइकिल चलाने का आग्रह किया है। लेकिन यह बदलाव सिर्फ थोड़े समय के लिए है या यह भविष्य में इस देश का परिवहन-व्यवहार भी बन जाएगा? यह जो वीआईपी कल्चर है और जो गाड़ियों के काफिले धूल उड़ाते भागते हैं, क्या उनकी गति कुछ धीमी हो पाएगी? आखिर हमें मानना पड़ेगा कि वो सारे लोग जो अभी तक बड़ी-बड़ी गाड़ियों में चलते रहे, उन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट को उपयोग में लाने से कोई गुरेज नहीं और न ही अपने प्राइवेट जेट को छोड़ आम उड़ान भरने से। यह कितना संतोषजनक होगा कि खास लोग भी आम लोगों की तरह घर से ऑफिस का सफर कर सकते हों और उन्हें किसी तरह का विशिष्टता-बोध नहीं हो। लेकिन जिस दिन युद्ध रुकेगा, जिस दिन होर्मुज जहाजों को हंसते-हंसते विदा करेगा, क्या उसके बाद भी सफर का साधन वही साइकिल और पब्लिक ट्रांसपोर्ट रहेगा? क्या 'ऑस्टेरिटी' (मितव्ययिता) एक तात्कालिक बदलाव का ही पहलू नहीं बनेगा, बल्कि वह जीवन जीने का आचरण भी बन पाएगा? ऑस्टेरिटी को दो अर्थों में समझा जाता है- पहला जीवन-शैली के रूप में और दूसरा आर्थिक नीति के अर्थ में। जीवन-शैली के रूप में ऑस्टेरिटी का अर्थ हिंदी में सादगी, तपस्या, संयम और कठोरता जैसे गुण हैं। यानी आर्थिक संदर्भ में अगर हम देखें तो ऑस्टेरिटी का तात्पर्य यह है कि खर्च कम किया जाए और जो खर्च कर रहे हैं, उनमें भी कटौती की गुंजाइश रहे।

लेकिन युद्ध के समाप्त होने के बाद ऑस्टेरिटी का कौन-सा अर्थ समाज में प्रासंगिक रह जाएगा? क्या हम जीवन को सादगी से जीने की कोशिश करेंगे और अपनी आदतों में अत्यधिक भौतिक सुखों और खर्चों से बचेंगे? खैर, कोई भी संकट सकारात्मक बदलाव की गुंजाइश तो पैदा करता ही है।

कोविड के समय हमने यह महसूस किया कि उपभोक्ता बना व्यक्ति कैसे अपने आप को उस मितव्ययिता के साथ रखना चाह रहा था, जो सादगी और संयम से तो निर्देशित हो ही रही थी, साथ-साथ हर तरह के आर्थिक आकर्षण से भी कोसों दूर थी। जीने की जिजीविषा थी और जीना एक साहसिक कार्य ही माना गया। वह दौर तमाम तरह के इंफ्लुएंसर्स को दिन-रात सुनता रहा और खुद को मोटिवेट भी करता रहा। कारें गैरेज में खड़ी रहीं और कभी-कभार गर कुछ घुमा तो वह साइकिल का पहिया ही था।

आज फिर हमारे देश में हर उस व्यक्ति के लिए यह एक मौका है कि वह भविष्य में भी अपने आप को उस मितव्ययिता के इर्द-गिर्द रखें। क्योंकि कहा जाता है कि हर बादल में चांदी की रेखा होती है।

यह कितना कमाल का दृश्य होगा, जब तेल संकट के समाप्त होने के बाद भी एक आमजन की तरह लीडर्स पब्लिक ट्रांसपोर्ट या किसी साइकिल से आते-जाते दिखेंगे।

किसी बड़ी कंपनी के चेयरमैन भी कभी मेट्रो में बैठे दिख जाएंगे। यह भी देखना संतोषजनक होगा कि संसाधनों में शक्ति ढूंढता समाज वास्तविक शक्ति सादगी वाली जीवनशैली में पा रहा होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,नंदितेश निलय)

कला में डूबे रहें, ये आपकी उम्र बढ़ने की रफ्तार घटाएगा

क्या आपको दादाजी-नानाजी का दौर याद है? वे हर शाम कहां जाते थे- किसी मंदिर में, स्कूल या सामुदायिक सांस्कृतिक मीटिंग में। हमारी दादी-नानी अकसर रसोई में कहती रहती थीं- 'पता नहीं उन

जगहों पर ऐसा क्या है कि दिनभर के काम से लौटने के बाद 15 मिनट भी घर नहीं रुकते।'दूसरों के बारे में तो नहीं जानता, लेकिन हमारी चॉल में उस दौर के ज्यादातर बुजुर्ग किसी न किसी सांस्कृतिक गतिविधि में जरूर व्यस्त रहते थे। बाद में मेरे पिता भी ऐसे ही हो गए। नागपुर में 'सरस्वती विद्यालय' संचालित करने वाली संस्था 'साउथ इंडियन एसोसिएशन' में उनकी सोमवार को मीटिंग होती थी।इसी स्कूल में मैं पढ़ा था और तीन यूनिट्स में फैले उन 150 घरों के लगभग 90% बच्चे वहीं पढ़ते थे। उन घरों के ज्यादातर लोग किसी न किसी मंदिर से जुड़े थे, जिनकी मीटिंग मंगलवार या गुरुवार को होती थीं। शनिवार, रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे।जैसे, कर्नाटक म्यूजिक कॉन्सर्ट, घुमंतू मंडली का ड्रामा, एक महीने तक रामायण, भगवान शिव, उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय या दुर्गा मां जैसे विषयों पर धार्मिक प्रवचन देते थे। अब इस विषय से अलग एक बात बताता हूं। मेरे परिवार के और जहां मैंने बचपन बिताया, उस इलाके के ज्यादातर पुरुष- जो खुद को सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रखते थे- 90 साल से ज्यादा या कम से कम 80 के पार तो जरूर जिए। जबकिउनकी पत्नियां पहले गुजर गईं। तब हममें से किसी को नहीं पता था कि इसका कला-संस्कृति में समय बिताने से भी कोई संबंध हो सकता है।लेकिन मुझे यह किस्सा इस बुधवार को याद आया, जब मैंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की एक रिसर्च पढ़ी कि हफ्ते में एक बार सांस्कृतिक गतिविधि में शामिल होने से उम्र बढ़ने की रफ्तार कम से कम एक साल तक धीमी हो सकती है। रिसर्च कहती है कि आज के दौर की सांस्कृतिक गतिविधियों में पढ़ना, म्यूजिक कॉन्सर्ट सुनना, आर्ट गैलरी और थिएटर जाना, पेंटिंग करना, वाद्ययंत्र बजाना, आर्ट डॉक्यूमेंट्री देखना और म्यूजियम या प्रदर्शनियों में जाना शामिल है।दरअसल, अपने वयस्क जीवन से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम मैंने बचपन में अपने ग्रैंडपैरेंट्स के साथ देखे थे। मेरे नाना सुबह-शाम मंदिर जाना कभी नहीं छोड़ते थे। उन्हीं से मुझे संगीत कार्यक्रम और प्रवचन सुनने की आदत लगी। यहां तक कि आज भी मैं पवई फाइन आर्ट्स सोसाइटी और षणमुखानंद सभा जैसी कई 'सभाओं' का आजीवन सदस्य हूं। लाइव परफॉर्मेंस देखना मेरे लिए बेहद आनंददायक होता है। चूंकि मैं खुद भी परफॉर्मर हूं, इसलिए कलाकारों की बॉडी लैंग्वेज, शब्द-चयन और हास्यबोध से सीखता हूं। लाइव परफॉर्मेंस मुझे सिनेमा से ज्यादा ?सिखाती हैं। हाल ही में 12 मई को मेरी बेटी न्यूयॉर्क के म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट गई थी और पूरे दिन में वह पांच मंजिला इमारत के तीन से ज्यादा फ्लोर नहीं देख पाई। मुंबई में बैठे-बैठे उसने मुझे वीडियो कॉल पर वे फ्लोर दिखाए। नतीजतन, आज मैं मॉडर्न आर्ट पर पांच मिनट तो बात कर ही सकता हूं। ऐसे जुड़ाव मुझे अपनी 'सिसिफस' जैसी अंतहीन टु-डु लिस्ट के बारे में सोचते रहने से बचाते हैं। फिर चाहे यह स्टेडियम में फुटबॉल या क्रिकेट मैच देखना ही क्यों न हो, मुझे बाहर जाकर ऐसी चीज से जुड़ना पसंद है, जो मुझसे बहुत बड़ी हो और जिसे मैं अकेला नहीं कर सकता। किसी दूसरी दुनिया में झांकना और अपनी संभावनाओं को समझना मुझे रोमांचित करता है। फंडा यह है कि आधुनिक रिसर्च भले यह दावा करती हो कि सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने से जिंदगी के कुछ साल बढ़ जाते हैं, लेकिन शायद हमारे बुजुर्ग शायद पहले से यह जानते थे कि निश्चित ही इससे जिंदगी ज्यादा अर्थपूर्ण बन जाती है। एन. रघुरामन

कूटनीति से कारोबार के मेल की ट्रम्प-शैली अनुचित है

यदि कोई नेता अहम कूटनीतिक जिम्मेदारियां अपने परिजनों और बिजनेस साझेदारों को सौंप दे तो

ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। लेकिन ट्रम्प को ऐसा करने पर बहुत कम विरोध झेलना पड़ा है। कई लोग उनकी इस 'क्रोनी डिप्लोमेसी' को गैर-पारम्परिक कार्यशैली कह देते हैं। लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर हैं। विदेश मंत्री या पेशेवर कूटनीतिज्ञों पर भरोसा करने के बजाय ट्रम्प ने अहम जिम्मेदारियां अपने दामाद जैरेड कुश्नर और बिजनेस-पार्टनर स्टीव विटकॉफ को सौंप दी हैं।कुश्नर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी वरिष्ठ सलाहकार थे और इजराइल तथा अरब देशों के बीच अब्राहम समझौता कराने में उनकी भूमिका रही थी। कुश्नर और विटकॉफ यूक्रेन, गाजा और ईरान पर वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन दोनों के पास ही जटिल और महत्वपूर्ण कूटनीतिक चुनौतियां हल करने का कोई पिछला अनुभव नहीं है। फिर, दोनों के हितों का टकराव भी साफ नजर आ रहा है।

चलिए, विटकॉफ से शुरू करते हैं। पिछले साल पाकिस्तान ने क्रिप्टोकरेंसी कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) के साथ एक विवादित निवेश समझौता किया था। इस कंपनी के सीईओ विटकॉफ के बेटे जैक हैं और कंपनी में ट्रम्प और विटकॉफ परिवार की मालिकाना हिस्सेदारी है। इस साल जनवरी में इसी कंपनी से जुड़ी एक इकाई ने पाकिस्तान के साथ एक और समझौता किया। यह कंपनी द्वारा स्टेबलकॉइन शुरू करने को लेकर था, जिसका सीमा पार लेनदेन के लिए इस्तेमाल हो सके।लेकिन यूएस-ईरान के बीच पाकिस्तान में ही वार्ता हुई है और पाकिस्तान वार्ता का मध्यस्थ भी था। जब अलग-अलग पक्ष एक इलाके में भू-राजनीतिक परिणाम तय कर रहे हों और कारोबार के अवसर भी तलाश रहे हों तो कूटनीति बाजार जैसी लगने लगती है। पहुंच, प्रभाव और मुनाफा आपस में जुड़ी चीजें हैं। अब कुश्नर की बात करें तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने 'एफिनिटी पार्टनर्स' नाम की एक निजी इक्विटी फर्म शुरू की और खाड़ी देशों की राजशाहियों से अरबों डॉलर जुटाए। इसमें सऊदी अरब के सॉवरेन वेल्थ फंड के करीब 2 अरब डॉलर भी शामिल हैं।यानी, कुश्नर सऊदी पूंजी पर निर्भर हैं, लेकिन इसके बावजूद उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे ईरान के साथ संबंध सुधारने पर बातचीत करेंगे। जबकि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान कथित तौर पर ट्रम्प से युद्ध जारी रखने की गुहार लगा रहे हैं। कुश्नर और विटकॉफ के हितों के टकराव और विदेश नीति में उनकी अनुभवहीनता अपने आप में यह बताती है कि क्यों ट्रम्प ने उन्हें आधिकारिक कूटनीतिक पदों पर नियुक्त नहीं किया।विशेष दूतों को सीनेट द्वारा पुष्टि की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। पेशेवर कूटनीतिज्ञों की तरह उन पर नैतिक नियमों और संसद की निगरानी की बाध्यता भी नहीं होती। ऐसे में कुश्नर और विटकॉफ अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं और बिना जवाबदेही के अमेरिका की ओर से बातचीत भी कर सकते हैं। ट्रम्प के सहयोगी लैरी एलिसन भी 'टिकटॉक' में निवेश से मोटा फायदा कमा चुके हैं।

ट्रम्प के बेटों एरिक और डोनाल्ड जूनियर ने भी हाल ही में 'पावरस' नामक ड्रोन कंपनी जॉइन की है। वे अपने पिता द्वारा शुरू किए युद्ध में ईरान के हमलों का जवाब देने के लिए खाड़ी देशों को ड्रोन इंटरसेप्टर बेचने की जुगत में हैं। अब तो ईरान युद्ध को लेकर संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग की खबरें भी सामने आ रही हैं।बताया जाता है कि ट्रम्प के बाजार को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयानों से ठीक पहले बड़े दांव लगाए गए। ऐसे घोटाले किसी भी पिछली अमेरिकी सरकार को गिरा सकते थे या कम से कम तत्काल जांच शुरू करा सकते थे, पर ट्रम्प शासन में वो आम बात हो गए हैं।यूएस-ईरान के बीच पाकिस्तान में ही वार्ता हुई और वह वार्ता का मध्यस्थ भी था। जब अलग-अलग पक्ष ए क इलाके में भू-राजनीतिक परिणाम तय कर रहे हों और कारोबार के अवसर भी खोज रहे हों तो कूटनीति बाजार जैसी लगने लगती है।(प्रोजेक्ट सिंडिकेट, ब्रह्मा चेलानी)

अमेरिका में बढ़ता नस्लवाद भारतवंशी नेताओं के लिए चुनौती है

भारतीय-अमेरिकी मूल के सॉफ्टवेयर आंत्रप्रेन्योर विवेक रामास्वामी अपनी हिंदू पहचान को

छिपाने की कोशिश नहीं करते। पिछले हफ्ते उन्होंने ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया। ओहायो में राज्य विधानसभा के दोनों सदनों, गवर्नर कार्यालय और सभी प्रमुख सरकारी संस्थानों पर रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण है। अमेरिकी राजनीति में गवर्नर का कद भारत के किसी मुख्यमंत्री जैसा होता है। ऐसा नहीं ?है कि रामास्वामी किसी अमेरिकी राज्य के पहले भारतीय मूल के गवर्नर होंगे। इससे पहले बॉबी जिंदल लुइसियाना के और निक्की हेली साउथ कैरोलाइना की गवर्नर रह चुकी हैं। लेकिन रामास्वामी उन दोनों से अलग हैं। जिंदल ने श्वेत ईसाई अमेरिकी समुदाय में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए ईसाइयत अपनाकर खुद का नाम पीयूष की जगह बॉबी रख लिया था। वहीं साउथ कैरोलाइना में एक सिख माता-पिता के घर निमरत रंधावा के रूप में जन्मीं हेली ने भी सिख धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इनके विपरीत रामास्वामी को अपनी हिंदू पृष्ठभूमि पर गर्व है। वे शान से अपनी पत्नी अपूर्वा और बेटों कार्तिक व अर्जुन का नाम लेते हैं। जिंदल और हेली की तरह रामास्वामी भी अमेरिका में जन्मे हैं, लेकिन उन्होंने अपने बच्चों के नामों का अमेरिकीकरण करने या उनकी हिंदू धारणाओं को बदलने की कोशिश नहीं की। ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद जिंदल और हेली अमेरिकी राजनीति में ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाए। क्या रामास्वामी इसमें सफल होंगे?जिंदल और हेली की तुलना में आज रामास्वामी के सामने सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियां कहीं अधिक हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने नस्लवाद और वाइट सुप्रीमेसी को मुख्यधारा में ला दिया है। ट्रम्प का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी 'मागा' समर्थक आधार ऐसे कम पढ़े-लिखे और बेरोजगार अमेरिकियों से बना है, जिन्हें डर है कि भारतीय और चीनी आप्रवासी उनकी नौकरियां खा रहे हैं। ओहायो में प्रचार के दौरान रामास्वामी को इतनी ऑनलाइन नस्लवादी नफरत का सामना करना पड़ा कि उन्होंने अपने इंस्टाग्राम और 'एक्स' अकाउंट का इस्तेमाल ही बंद कर दिया। ये अकाउंट अब उनकी टीम अपडेट करती है। ट्रम्प प्रशासन की आप्रवासियों के ?खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली भाषा ने अमेरिका में इस विषैले माहौल को और हवा दे दी है। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प ने रामास्वामी को इलॉन मस्क के साथ 'डीओजीई' (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट इफिशिएंसी) का सह-प्रमुख बनाया था। लेकिन जल्द ही दोनों के बीच टकराव हो गया। रंगभेद नीति के जमाने में दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पले-बढ़े मस्क खुद को नस्लवादी नहीं मानते, लेकिन उनके खुद के 'एक्स' हैंडल पर वाइट सुप्रीमेसी और पश्चिमी सभ्यता को बचाने संबंधी पोस्ट भरे पड़े हैं। अमेरिका में नफरती और नस्लभेदी बयानबाजी पर 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में लिखे एक ?लेख में रामास्वामी ने कहा कि अमेरिकी दक्षिणपंथ में अब दो दृष्टिकोण उभर रहे हैं और दोनों ही परस्पर विरोधी हैं। एक नजरिए के मुताबि?क अमेरिकी पहचान वंश, खून और मिट्टी पर आधारित है, जहां विरासत में मिली पहचान ही सर्वाधिक मायने रखती है। इस सोच के अनुसार सबसे शुद्ध अमेरिकी वही हैं, जिनके वंश की जड़ें अमेरिका की स्थापना या उससे भी पहले की हैं। उन्होंने कहा कि श्वेत-केंद्रित पहचान को गढ़ना कुछ ऐसा था, जिसका अंदाजा पहले से था। 2022 की अपनी किताब 'नेशन ऑफ विक्टिम्स' में उन्होंने इसका अनुमान लगाया था। लेकिन बीते पांच सालों में गैर-श्वेतों से भेदभाव के चलते अब यह चंद लोगों की विचारधारा मात्र नहीं रह गई। इसके बावजूद रामास्वामी कहते हैं, आज आप अमेरिकी तब हैं, जब कानून के शासन, अंतरात्मा की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, रंगभेद से रहित व्यवस्था और संविधान में विश्वास रखते हैं। ऐसे नस्लीय तनाव से भरे माहौल में ओहायो का गवर्नर चुनाव जीतना रामास्वामी के लिए बड़ी चुनौती होगा। उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी उम्मीदवार एमी एक्टन से है। ताजा जनमत सर्वेक्षण बताते हैं कि दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। रामास्वामी को 48इ और एक्टन को 47फीसदी समर्थन मिल रहा है। ट्रम्प ने भी रामास्वामी को अगला गवर्नर बनाने को लेकर समर्थन दे दिया है। एक साल पहले तक यह समर्थन रामास्वामी के पक्ष में माहौल बना सकता था, लेकिन अब शायद नहीं। क्योंकि खुद ट्रम्प की लोकप्रियता ऐतिहासिक रूप से नीचे पहुंच चुकी है। महज 30% लोगों ने ही उनका समर्थन किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं) मिन्हाज मर्चेंट

5 देशों से क्या लेकर लौटे पीएम मोदी,मेलोनी से डील, यूएई तेल रिजर्व भरेगा- नीदरलैंड्स क्रिटिकल मिनरल देगा

नयी दिल्ली। यहां नाविकों की ट्रेनिंग भी होगी। यूएई भारत में 3 बिलियन डॉलर यानी करीब 48 हजार करोड़ रुपए निवेश

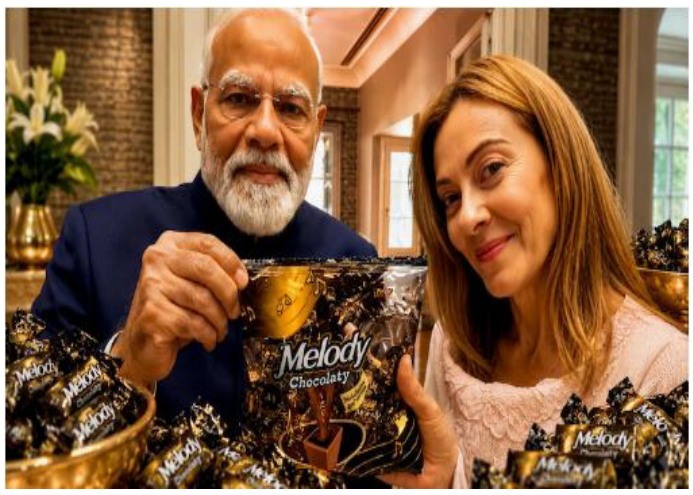

करेगा। यह निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर, बैंकिंग और फाइनेंसिंग सेक्टर में होंगे। दूसरा स्टॉप था- नीदरलैंड्स। वो यहां 15 मई की रात करीब 9 बजे पहुंचे और डेढ़ दिन रुके। उन्होंने नीदरलैंड्स के राजपरिवार और प्रधानमंत्री रॉब जेटेन से मुलाकात की। इस दौरान 17एमओयू साइन हुए। इनमें 2 मुख्य हैं- 1. चिप-मेकिंग डील- नीदरलैंड्स की एएसएमएल कंपनी ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ चिप-मेकिंग में साझेदारी की है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में चिप-मेकिंग फैक्ट्री बना रही है। ये चिप्स मोबाइल फोन और गाड़ियों में लगती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई में भी इस चिप का इस्तेमाल होता है। चिप बनाने में काम आने वाली खास लिथोग्राफी टेक्नोलॉजी में एएसएमएल कंपनी की मोनोपॉली है। वो भारत में फैक्ट्री लगाने और प्रोडक्शन शुरू करने में मदद करेगी। भारत अभी 90फीसदी चिप चीन, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, जापान, अमेरिका जैसे देशों से इम्पोर्ट करता है। 2023-24 में भारत ने 1.05 लाख करोड़ रुपए की चिप्स इम्पोर्ट की है, जो 2016 से 20 गुना है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स 91 हजार करोड़ रुपए की लागत से देश का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट तैयार कर रहा है। नीदरलैंड्स के सहयोग से भारत में भी यह चिप बन पाएगी। इससे विदेशों पर निर्भरता कम होगी। 2. क्रिटिकल मिनरल सपोर्ट- नीदरलैंड्स, भारत को क्रिटिकल मिनरल्स की खोज और उसके खनन के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी देगा। भारत 30 मिनरल्स को क्रिटिकल मानता है। इसमें से कोबॉल्ट, कॉपर, लीथियम, ग्रैफाइट, निकल वगैरह शामिल हैं। इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल, स्मार्टफोन, 5जी नेटवर्क से लेकर फाइटर एयरक्राफ्ट और अंतरिक्ष यानों तक में होता है। फिलहाल भारत 70फीसदी से 100फीसदी क्रिटिकल मिनरल्स दूसरे देशों से इम्पोर्ट करता है। खासकर चीन से। प्राकृतिक रूप से इन मिनरल्स की कमी नहीं है। लेकिन इनकी खोज में ज्यादा खर्च नहीं हुआ है। प्रोसेसिंग तकनीक की कमी है। अब नीदरलैंड्स के सहयोग से कुछ हद तक इस कमी को पूरा किया जा सकेगा। चीन पर निर्भरता भी कम होगी। नीदरलैंड्स से 2 और डील हुई-गुजरात में कम्भात की खाड़ी पर 30 किमी लंबा कल्पसार डैम प्रोजेक्ट चल रहा है। नीदरलैंड्स वॉटर इंजीनियरिंग का एक्सपर्ट है। कल्पसार प्रोजेक्ट की डिजाइन और इंजीनियरिंग में मदद करेगा। नीदरलैंड्स ने चोल राजवंश के समय की तांबे की प्लेटें भारत को लौटाई है। इसमें तमिल भाषा में राजवंश का वर्णन है। 18वीं शताब्दी में डच मिशनरीज इसे यूरोप उठा ले गई थीं। तीसरे पड़ाव के लिए मोदी 17 मई को स्वीडन पहुंचे। उन्हें स्वीडन के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया। मोदी ने स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से मुलाकात की और स्ट्रैटेजिक साझेदारी के 6 समझौते किए। इसमें अगले 5 साल में कारोबार दोगुना करने जैसी बाते हैं। एक बड़ा डेवलपमेंट जरूर दिखा। स्वीडन में मोदी से यूरोपियन यूनियन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने वादा किया कि साल के अंत तक वो भारत और ईयू के बीच तय हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन कर देंगी। लेयेन ने जब गणतंत्र दिवस पर भारत का दौरा किया था, तब 27 जनवरी को इस समझौते की घोषणा हुई थी। मोदी और लेयेन ने इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' नाम दिया था। इस डील के तहत यूरोप से आने वाले करीब 96.6फीसदी चीजों से टैरिफ पूरी तरह हटा दिया जाएगा या बहुत कम कर दिया जाएगा। ऐसा ही यूरोप ने भी भारत से आने वाले 99.5फीसदी सामान पर होगा। चौथे पड़ाव नॉर्वे था, जहां मोदी 18 मई को पहुंचे। आखिरी बार 1983 में इंदिरा गांधी नॉर्वे गई थी। अब 43 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने नॉर्वे की यात्रा की है। कुल 12 मुद्दों पर समझौते हुए। इसमें सबसे जरूरी हैं- ग्रीन स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप। इसके तहत नॉर्वे, भारत के क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट में निवेश करेगा। क्लीन एनर्जी यानी ऐसी ऊर्जा, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता। जैसे- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, परमाणु ऊर्जा। नॉर्वे की करीब 98फीसदी बिजली आपूर्ति क्लीन एनर्जी से ही होती है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट क्लीन एनर्जी उत्पादन करना है। अप्रैल 2026 तक सिर्फ 283.46 गीगावाट तक की क्षमता इंस्टॉल हुई है। यानी टारगेट से लगभग आधी।

यूरोप का सबसे बड़ा तेल उत्पादक है नॉर्वे, भारत एलपीजी खरीद रहा-नॉर्वे तीन तरफ से समुद्र से घिरा हैं। यह नॉर्वेजियन सागर और बारेंट्स सागर से तेल निकालता है। नॉर्वे हर दिन करीब 2 मिलियन बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है और यूरोप का सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। इसका 90फीसदी एक्सपोर्ट कर देता है। ज्यादातर तेल यूरोपीय देशों को ही बेचता है। भारत कई मौकों पर नॉर्वे से छोटी खेपों में तेल खरीद भी चुका हैं। ईरान जंग शुरू होने के बाद से भारत ने नॉर्वे से एलपीजी की खरीद भी बढ़ाई है। इंडिया-नॉर्वे बिजनेस समिट के दौरान नॉर्वे की सबसे बड़ी तेल कंपनी एक्विनॉर भी शामिल हुई थी। इससे पहले 2024 में भी एक्विनॉर से भारत के स्ट्रैटजिक रिजर्व के लिए कच्चा तेल खरीदने की खबरें आई थी। भारत भविष्य में भी नॉर्वे से तेल खरीदने के विकल्प तलाश सकता हैं। भारत और इटली के बीच कई समझौते हुए, इनमें से 2 प्रमुख हैं- 1. आईएमईसी से ट्रेड कनेक्टिविटी- इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर यानी आईएमईसी को आगे बढ़ाने पर दोनों देश सहमत हुए हैं। आईएमईसी की घोषणा 9 सितंबर 2023 को दिल्ली में जी20 समिट के दौरान हुई थी। ये प्रोजेक्ट भारत को मिडिल ईस्ट और यूरोप से रेलवे, पोर्ट और शिपिंग नेटवर्क के जरिए जोड़ने का प्लान है। आईएमईसी क्यों अहम? इटली यूरोप के बड़े समुद्री ट्रेड सेंटर्स में शामिल है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जी20 के दौरान कहा था कि इससे भारत से यूरोप तक सामान पहुंचाने का समय और लागत 30-40फीसदी कम हो सकती हैं। आईएमईसी चीन के बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट के जवाब में तैयार किया जा रहा है। चीन पाकिस्तान, अमेरिका, सउदी अरब और यूरोपीय देशों के साथ मिलकर एक साझा ट्रेड रूट बना रहा है। भारत अभी यूरोप के साथ अपने व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्तों से करता है।

आईएमईसी बनने के बाद भारतीय एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ सकते हैं। 2. एआई, टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी-मोदी ने कहा, 'भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इटली की इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी को जोड़कर नई टेक्नोलॉजी और इनोवेशन इकोसिस्टम बनाया जाएगा। दोनों देश जिम्मेदार और सुरक्षित एआई डेवलपमेंट पर भी साथ काम करेंगे। इसके अलावा भारत और इटली 2029 तक आपसी व्यापार को 20 अरब यूरो से ज्यादा तक ले जाने का लक्ष्य बनाया है। फिलहाल भारत-इटली के बीच 14 अरब यूरो यानी 1.60 लाख करोड़ का व्यापार है। दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा देने का फैसला किया हैं। मोदी ने मेलोनी को भारत आने का न्योता भी दिया।

13 साल की बच्ची की 42साल के युवक से शादी,पोते की शादी के लिए कर दिया पोती का सौदा- दादा-दादी और दूल्हे सहित 13 पर एफआईआर

इंदौर। इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला

सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते एक 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। राऊ पुलिस ने बुधवार को दूल्हे, उसके परिजन और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि यह पूरा मामला एक शर्त और पारिवारिक दबाव के कारण हुआ। रंगवासा निवासी बुजुर्ग दादा को अपने 19 साल के पोते के लिए बहू लाना थी। पोती की पत्नी (यानी बच्ची की भाभी) ने शर्त रखी थी कि वह इस घर में शादी तभी करेगी, जब उसकी ननद (बच्ची) की शादी उसके सगे चाचा (42 वर्षीय युवक) से कराई जाएगी। पोते के घर बसाने की इस शर्त को पूरा करने के लिए दादा-दादी ने अपनी ही मासूम पोती का सौदा कर दिया। इस बाल विवाह की भनक महिला एवं बाल विकास विभाग को पहले ही लग गई थी। 25 अप्रैल को होने वाले इस विवाह को लेकर फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाइश दी थी, जिसके बाद परिजन ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे शादी नहीं करेंगे। 26 अप्रैल की रात को लड़के वाले इंदौर आए और नाबालिग बच्ची व उसके 19 वर्षीय भाई को चोरी-छिपे उज्जैन ले गए। वहां चिंतामन गणेश मंदिर के बाहर दोनों को दूल्हा-दुल्हन के कपड़े पहनाए गए और रात के अंधेरे में मांग भरकर विवाह संपन्न करा दिया गया। शादी के बाद ससुराल पक्ष दोनों बच्चों को वापस इंदौर के रंगवासा छोड़ गया और दोनों दूल्हे बिना दुल्हन के अपने गांव दयाखेड़ा (सांवेर) लौट गए। विरोध करने पर दादी ने की पिटाई-फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी महेंद्र पाठक ने बताया कि शादी के बाद भी परिवार बच्ची पर ससुराल जाने के लिए दबाव बना रहा था। नाबालिग ने विरोध किया, तो उसकी दादी ने बेरहमी से पिटाई कर दी। दादी की मारपीट से तंग आकर बालिका की मां ने हिम्मत जुटाई और बाल कल्याण समिति व महिला बाल विकास विभाग को लिखित शिकायत दी। इसके बाद विभाग हरकत में आया और बच्ची के बयान दर्ज कराए गए, जिससे इस पूरी खौफनाक साजिश का पर्दाफाश हुआ। जांच में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। बालिका के पिता की मौत के बाद उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली थी, जिसके कारण बच्चे अपने दादा-दादी के पास रह रहे थे। पोते और पोती का बाल विवाह कराने के लिए दोनों परिवारों ने मिलकर बच्चों के उम्र से जुड़े दस्तावेज में हेरफेर किया और कथित तौर पर फर्जी अंकसूची (मार्कशीट) तैयार करवाई। बाल कल्याण समिति के निर्देश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि फर्जी अंकसूची के मामले में शिक्षा विभाग अलग से जांच कर रहा है, रिपोर्ट आने के बाद शासकीय दस्तावेजों में कूट-रचना (जालसाजी) करने की धाराओं के तहत भी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मवेशी फार्म में अमेरिकी कॉलेज, गाय-खेत भी संभालते हैं छात्र:1917 में स्थापित हुआ,साल में 26 छात्र लेते हैं दाखिला

कैलिफोर्निया। अमेरिका में उच्च शिक्षा को लेकर बहस तेज है।

एआई से नकल, घटता ध्यान और महंगी पढ़ाई के चलते कॉलेजों से भरोसा घट रहा है। इसी बीच, एक छोटा-सा 'वर्क कॉलेज' चर्चा में है। क्योंकि यहां छात्र सिर्फ पढ़ते नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाना सीखते हैं। कैलिफोर्निया में 1917 में स्थापित हुआ 'डीप स्प्रिंग्स कॉलेज' एक मवेशी फार्म में चलता है। यहां हर साल 26 छात्र आते हैं। इन्हें दो साल की लिबरल आर्ट्स की शिक्षा मुफ्त दी जाती है। लेकिन हर छात्र को कॉलेज संचालन में भाग लेना पड़ता है। कोई गायों की देखभाल करता है, कोई खेत संभालता है, कोई भोजन व्यवस्था देखता है, तो कोई ट्रस्टी बोर्ड और एडमिशन प्रक्रिया का हिस्सा बनता है। कुछ छात्र फायरफाइटर हैं, जो हादसों में मदद करते हैं। 'डीप स्प्रिंग्स' का विचार आधुनिक उच्च शिक्षा संस्थानों पर भरोसा घटा है। इससे निपटने के लिए विश्वविद्यालयों को अपनी कार्यप्रणाली पर गंभीर आत्ममंथन करना होगा।

विश्वविद्यालयों के उस माहौल से बिल्कुल अलग है, जहां छात्र खुद को 'कस्टमर' और कॉलेज को 'सर्विस प्रोवाइडर' की तरह देखने लगे हैं। बड़े संस्थानों में शिक्षा का अर्थ रिज्यूमे मजबूत करना, ज्यादा अंक लाना और बेहतर नौकरी पाना रह गया है। अधिकतर छात्र अपने काम का असर समुदाय पर नहीं, सिर्फ खुद पर ही देखते हैं। यही सोच आगे चलकर सामाजिक दूरी, घटते भरोसे और संस्थानों से अलगाव की वजह बन रही है। येल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों की समिति ने एक हालिया रिपोर्ट में माना कि रिपोर्ट में पढ़ाई की बढ़ती लागत, जटिल प्रशासन और छात्रों से दूरी जैसे मुद्दे उठाए गए। 'डीप स्प्रिंग्स' मॉडल कहता है कि समस्या सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता की नहीं, बल्कि 'समुदाय' की भावना खत्म होने की भी है। कॉलेज की पूर्व छात्रा रेबेका मैकमिलिन-हैस्टिंग्स ने बताया कि एक बार उन्हें एक गाय के घाव की सफाई करनी पड़ी। वह जानती थीं कि इससे गाय को दर्द होगा, लेकिन इलाज जरूरी था। उनके मुताबिक, ऐसे अनुभव युवाओं को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का असली अर्थ सिखाते हैं- जो किताबों से नहीं सीख सकते। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसी वजह से यहां एआई आधारित नकल जैसी समस्याएं नहीं दिखतीं। असली सीख वही, जो व्यक्ति को दूसरों के लिए भी जिम्मेदार बनाए- विशेषज्ञ कहते हैं कि ऐसे मॉडल आसान नहीं। एआई व अनिश्चित नौकरी बाजार के बीच छात्र-अभिभावक करियर को लेकर चिंतित हैं। सामुदायिक जिम्मेदारियां उन्हें बोझ लग सकती हैं। पर, एक मत ये भी है कि कॉलेज का उद्देश्य सिर्फ रोजगार नहीं। मशीनें-एआई भले कई काम संभाल लें, लेकिन रिश्ते और साझा जीवन इंसानों को ही सीखने होंगे। डीप स्प्रिंग्स जैसे संस्थान याद दिला रहे हैं कि असली सीख वो है, जो व्यक्ति को अपने अलावा दूसरों के लिए भी जिम्मेदार बनना सिखाए।

बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य- अहम फैसले

कोलकाता। जनगणना को शुरू करने का फैसला- राज्य

में काफी समय से अटकी पड़ी जनगणना को तुरंत शुरू करने के लिए प्रशासनिक आदेश जारी कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के जून 2025 के इस आदेश पर पिछली सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया था। सरकारी नौकरियों की उम्र सीमा में छूट- सरकारी नौकरियों और शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने आवेदन की उम्र सीमा में 5 साल की छूट देने का फैसला किया है। अफसरों को केंद्रीय ट्रेनिंग पर भेजने की मंजूरी- पुरानी नीति को बदलते हुए अब राज्य के आईएएस, आईपीएस और डब्लूबीपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लेने की इजाजत दे दी गई है। भारतीय न्याय संहिता को अपनाना- सरकार ने राज्य में नए केंद्रीय आपराधिक कानूनों (जैसे भारतीय न्याय संहिता) को पूरी तरह लागू करने का निर्णय लिया है। ये कानून पुराने आईपीसी और सीआरपीसी की जगह लेंगे, जिन्हें पिछली सरकार ने राज्य में आधिकारिक तौर पर लागू नहीं किया था। हिंसा पीड़ित बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों को मदद- साल 2021 की चुनावी हिंसा में मारे गए 321 बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों को सरकारी नौकरी या आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके साथ ही सरकार इन मामलों की दोबारा जांच कराने और पीड़ित परिवारों को पूरी कानूनी सहायता देने के लिए भी तैयार है। धर्म आधारित कल्याणकारी योजनाओं को बंद किया- मदरसा विभाग और अन्य धर्मों से जुड़ी वित्तीय सहायता वाली योजनाओं को जून महीने से बंद करने का फैसला लिया गया है। सरकार अब बिना किसी भेदभाव के सबके लिए समान योजनाएं चलाएगी। अन्नपूर्णा योजना- महिलाओं के लिए 1 जून से 'अन्नपूर्णा योजना' शुरू होने जा रही है, जिसके तहत उन्हें हर महीने 3,000 रुपए की आर्थिक मदद मिलेगी। इसके अलावा 1 जून से ही राज्य की सरकारी बसों में महिलाओं के लिए सफर पूरी तरह मुफ्त कर दिया जाएगा। पुरानी नियुक्तियां रद्द- प्रशासन को दुरुस्त करने के लिए सरकारी बोर्डों, निगमों और आयोगों में मनोनीत किए गए अध्यक्षों और निदेशकों को पद से हटा दिया गया है। साथ ही रिटायरमेंट के बाद दोबारा नौकरी पर रखे गए अफसरों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं। गोहत्या पर नया नोटिस- सरकार ने गोहत्या से जुड़े 1950 के कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में कहा गया है कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से प्रतिबंध है।

बहुत लोनली फील करती हूं, ये बात कोई समझ नहीं पाता,अब कोई रखने वाला भी नहीं रहा,खालीपन कैसे भरु-क्या करूं?

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्ट एक्सपर्ट-डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर

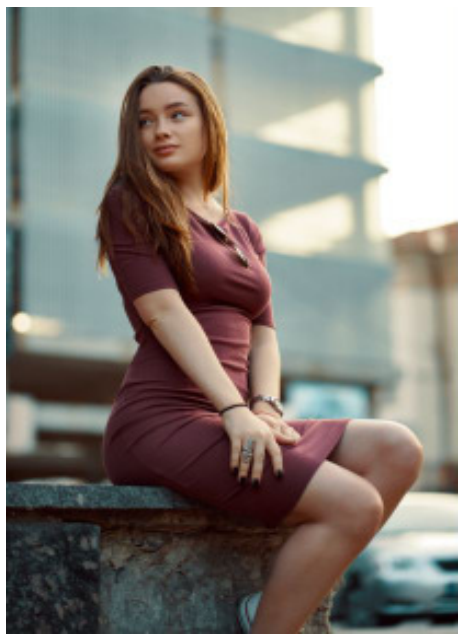

मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी और समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 23 साल है। मैं रांची में रहती हूं और होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रही हूं। हमारी जॉइंट फैमिली है। कॉलेज में भी ढेर सारे दोस्त हैं। फिर भी मुझे हर वक्त एक अजीब सा अकेलापन महसूस होता है। हर वक्त मेरे चारों ओर लोग होते हैं और मैं उन सबसे भागकर अकेली होना चाहती हूं। मुझे लगता है कि कोई मेरा अपना नहीं है। चाहे दोस्त हों या फैमिली, कोई मुझे समझता नहीं है। मैं बाहर से खुश दिखती हूं, लेकिन अंदर-ही-अंदर दुखी रहती हूं। क्या सब लोग ऐसा ही फील करते हैं? क्या ये फीलिंग नॉर्मल है या मेरे अंदर ही कोई प्रॉब्लम है।जवाब-आज मेंटल हेल्थ डिसकशन का एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। पहली नजर में यह साधारण 'अकेलेपन' जैसा लगता है, लेकिन मनोविज्ञान इसे कहीं अधिक गहराई से समझता है। इमोशनल लोनलीनेस क्या है ? आधुनिक मनोविज्ञान में इस विषय पर रॉबर्ट वाइस का काम आधारभूत माना जाता है। उन्होंने 1973 में यह बताया कि लोनलीनेस कोई एक अनुभव नहीं है। इसके अलग-अलग प्रकार होते हैं।हरव्यक्ति के लिए यह अनुभव अलग हो सकता है।वाइस के अनुसार, अकेलेपन का एक रूप वह है, जब व्यक्ति के पास कोई ऐसा घनिष्ठ, भरोसेमंद और भावनात्मक रूप से सुरक्षित रिश्ता नहीं होता, जिसमें वह खुलकर अपनी बात कह सके। इसे ही इमोशनल लोनलीनेस कहते हैं। दूसरा रूप वह है, जब व्यक्ति के पास व्यापक सामाजिक दायरा, जैसे परिवार, दोस्त, परिचित या कम्युनिटी नहीं होती है। इसे सोशल लोनलीनेस कहते हैं। भीड़ में अकेलापन-आगे चलकर न्यूज़ीलैंड के दो प्रसिद्ध समाजशास्त्रियों जेनी डे योंग हीरफेल्ड और थियो वान टिलबुर्ख ने इस अंतर को और साफ किया और इसे मापने के लिए कई वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए। आज इमोशनल लोनलीनेस सिर्फ 'अकेले रहना' नहीं है। इमोशनल लोनलीनेस का मतलब है, लोगों से घिरे होने और भीड़ में रहने के बावजूद यह महसूस करना कि-मुझे कोई समझता नहीं। मुझे कोई सुनता नहीं। मुझे कोई प्यार नहीं करता। इसी संदर्भ में इमोशनल लोनलीनेस और सोशल लोनलीनेस के बीच अंतर समझना जरूरी है। कई बार

व्यक्ति के पास परिवार होता है, दोस्त होते हैं, और वह सामाजिक रूप से सक्रिय भी रहता है। उदाहरण के तौर पर, कोई व्यक्ति संयुक्त परिवार में रह सकता है, कॉलेज में उसके कई दोस्त हो सकते हैं और वह अक्सर लोगों से घिरा रह सकता है। इसके बावजूद यदि उसके भीतर लगातार खालीपन, दूरी या 'कोई मुझे समझता नहीं' जैसी भावना बनी रहती है, तो यह इमोशनल लोनलीनेस का संकेत है। सोशल लोनलीनेस में व्यक्ति की मुख्य शिकायत होती है–'मेरे पास लोग नहीं हैं।' इसके विपरीत, इमोशनल लोनलीनेस में व्यक्ति कहता है–'लोग तो हैं, लेकिन कोई सच में मेरा नहीं है।' यह अंतर बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे समस्या की जड़ साफ होती है। यहां चुनौती लोगों की संख्या नहीं, बल्कि रिश्तों की गुणवत्ता है। ऐसे मामलों में व्यक्ति अक्सर यह भी महसूस करता है कि सामाजिक संपर्क उसे सुकून देने की बजाय थका देता है। वह लोगों के बीच रहते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाता। 'कोई मुझे समझता नहीं,' जैसी सोच इस बात की ओर इशारा करती है कि उसके अनुभवों को समझा और स्वीकारा नहीं जा रहा, जिसे मनोविज्ञान में 'इमोशनल एट्चूनमेंट' की कमी कहते हैं। कोई ऐसा जो हमें सुने, समझे-

इस प्रकार, इमोशनल लोनलीनेस हमें यह समझने में मदद करती है कि केवल लोगों से घिरे रहना काफी नहीं है। मानसिक संतुलन और संतुष्टि के लिए जरूरी है कि हमारे जीवन में ऐसे रिश्ते हों, जहां हम बिना झिझक अपने असली भाव व्यक्त कर सकें और खुद को सच में समझा हुआ महसूस करें। करें सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट-यहां मैं आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहा हूं। आपको इन सवालों को ध्यान से पढ़ना है और 0 से 3 के स्केल पर इसे रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपका जवाब 'कभी नहीं' है तो 0 नंबर दें और अगर आपका जवाब 'लगभग हर दिन' है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने टोटल स्कोर की एनालिसिस करें। अगर आपका टोटल स्कोर 0 से 7 के बीच है तो आप में बहुत मामूली पैटर्न हैं। ये नॉर्मल है लेकिन अगर आपका स्कोर 24 से 30 के बीच है तो यह बहुत स्ट्रॉन्ग इमोशनल लोनलीनेस का संकेत है। ऐसे में प्रोफेशनल हेल्प के बारे में सोचना चाहिए। कहीं ये लो मूड/डिप्रेशन तो नहीं- इस एसेसमेंट टेस्ट के अलावा यह देखना भी जरूरी है कि कहीं ये लो मूड/डिप्रेशन का केस तो नहीं है। इसलिए खुद से ये दो सवाल भी पूछें- क्या अकेलेपन की यह फीलिंग दो हफ्तों से भी ज्यादा समय से लगातार बनी हुई है? क्या इस फीलिंग के साथ ये चीजें भी प्रभावित हो रही हैं- नींद,भूख,पढ़ाई, एनर्जी लेवल,क्या इसके अलावा ये भी हो रहा है- बीच-बीच में खूब रोना आ रहा है। निराशा महसूस हो रही है। खुद को नुकसान पहुंचाने का ख्याल आ रहा है। यदि आपका उत्तर 'हां' है, तो यहां

पर लो मूड/डिप्रेशन को भी एक बार प्रोफेशनल लेंस से जरूर देखना चाहिए। हेल्थ एंड सेफ्टी एक्जीक्यूटिव, यूके और नेशनल हेल्थ सर्विस, यूके, दोनों सलाह

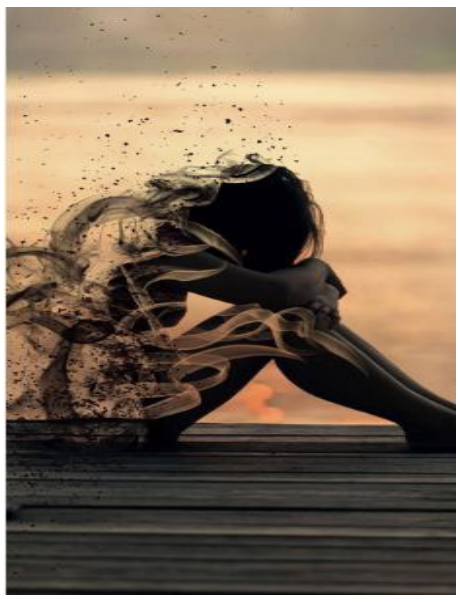

देते हैं कि अगर 2 हफ्ते से अधिक समय तक लगातार लो मूड रहे, कोप करने में कठिनाई हो, या सेल्फ हेल्प से कोई फायदा न हो तो प्रोफेशनल हेल्प लेनी चाहिए.4 सप्ताह का सीबीटी आधारित सेल्फ हेल्प प्लान- सप्ताह 1-पहचानना और समझाना, लक्ष्यः फीलिंग को नाम देना, दबाना नहीं, पहले हफ्ते में आपका लक्ष्य अपनी भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि उन्हें पहचानना और नाम देना है। दिन में कम-से-कम एक बार एक छोटा-सा मूड लॉग भरें, जिसमें चार चीजें लिखें-सिचुएशन (क्या हुआ) थॉट (दिमाग में क्या आया) फीलिंग (क्या महसूस हुआ) नीड (आपको अंदर से क्या चाहिए था) उदाहरणः-सिचुएशन- दोस्तों के साथ थी। थॉट- कोई मुझे नहीं समझता। फीलिंग- खालीपन लगना। नीड- एक सच्ची बातचीत। इसके अलावा, रोज 10 मिनट शांति से बैठकर खुद से पूछें–'मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं?' बिना जज किए उस फीलिंग को नोट करें। सप्ताह 2-विचारों को टेस्ट करना, लक्ष्यः ऑटोमैटिक नेगेटिव थॉट को मानना नहीं, जांचना, इस हफ्ते आपका लक्ष्य है, अपने नेगेटिव विचारों (जो अपने आप आते हैं) को सीधे सच न मान लेना, बल्कि उन्हें चेक करना, उन्हें चुनौती देना। जैसे आपके मन में ये ऑटोमैटिक विचार आया-'कोई मेरा अपना नहीं है।' 'कोई मुझे समझता नहीं है।' जब भी ऐसा ख्याल आए तो एक सीबीटी वर्कशीट बनाएं और उसमें लिखें- पक्ष- इस विचार के सपोर्ट में क्या सबूत हैं? विपक्ष- इस विचार के खिलाफ क्या सबूत है? संतुलन- ज्यादा संतुलित और यथार्थ सोच क्या हो सकती है? उदाहरणः- विचारः 'कोई मुझे समझता नहीं।' पक्षः मैं अपनी बातें शेयर नहीं करती। विपक्षः एक दोस्त और पापा कई बार समझने की कोशिश करते हैं।संतुलनः 'शायद हर कोई नहीं समझता, लेकिन अगर मैं अपने को असल जिंदगी में टेस्ट करना,इस हफ्ते आपका लक्ष्य है, अपने पुराने यकीन को रियल लाइफ में टेस्ट करना। जैसेकि आपका ये यकीन–'कोई मुझे समझेगा नहीं।' इसके लिए तीन छोटे-छोटे प्रयोग करें:-किसी एक दोस्त से 10 मिनट की ईमानदार बातचीत करें।परिवार के किसी भरोसेमंद व्यक्ति से एक लाइन शेयर करें–'मैं बाहर से ठीक लगती हूं, लेकिन अंदर लो फील करती हूं।' किसी ग्रुप में ज्यादा लोगों से बात करने की बजाय सिर्फ एक से मीनिंगफुल बातचीत पर ध्यान दें। हर एक्सपेरिमेंट के बाद तीन बातें लिखें:-मैंने पहले क्या सोचा था? असल में क्या हुआ? मेरी फीलिंग पहले और बाद में कैसी थी? सप्ताह 4-इमोशनल जरूरतें और रीलैप्स को रोकना,लक्ष्यः सिर्फ अकेलापन कम करना नहीं, सेफ रिश्ते बनाना, इस हफ्ते का लक्ष्य सिर्फ अकेलेपन को कम करना नहीं, बल्कि सच्चा और सुरक्षित भावनात्मक कनेक्शन बनाना है। सबसे पहले अपनी टॉप 3 इमोशनल जरूरतों को पहचानें और लिखें। जैसेकि- 'मुझे सुना जाए।' 'मुझे जज न किया जाए।' 'कंसिस्टेंसी या अपनापन मिले।' फिर एक छोटा-सा रिलेशनशिप मैप बनाएं, जिससे समझें कि आपके जीवन में कौन व्यक्ति किस रोल में है। कौन सिर्फ मौज के लिए है। कौन सेफ स्पेस है। कौन सलाह देता है। कौन भावनात्मक रूप से उपलब्ध है। इसके बाद एक आसान वीकली प्लान बनाएंः-2 लोगों से सामान्य संपर्क (कॉल/मैसेज) किसी एक व्यक्ति से मीनिंगफुल बातचीत-3 खुशी देने, शांत करने वाली एक्टिविटीज (जैसे वॉक करना, डायरी लिखना, संगीत सुनना) 1 बाउंड्री बनाना (जो बात पसंद न आए, वहां तुरंत सीमा तय करना।) इन सबके अलावा खुद से ये वाक्य दोहराएं- 'मुझमें कोई कमी नहीं है। मेरी इमोशनल जरूरतें पूरी नहीं हुई हैं।' चार संकेतों में से कोई भी दो संकेत एक साथ दिखें तो प्रोफेशनल मदद जरूर लें। खासतौर पर खुद को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने का ख्याल अलार्मिंग है।ऐसे में तुरंत साइकेट्रिस्ट से मिलें। अकेलापन जिंदगी में सिर्फ लोगों की कमी नहीं, बल्कि सच्चे, गहरे भावनात्मक जुड़ाव की कमी है। यह आपकी कमजोरी नहीं, बल्कि एक पूरी न हुई भावनात्मक जरूरत का संकेत है। खुलेपन के साथ सही समझ और छोटे-छोटे प्रयासों से आप धीरे-धीरे सुरक्षित, गहरे और संतुलित रिश्ते बना सकती हैं। खुद के साथ भी गहराई से जुड़ सकती हैं।

धुरंधर 2 पर सेना की जानकारी लीक करने का आरोप, एसएसबी जवान ने याचिका दायर की,हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जांच करने को कहा

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' कानूनी विवाद में घिर गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार

को केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड को फिल्म के खिलाफ लगी याचिका की जांच करने के निर्देश दिए हैं। सशस्त्र सीमा बल के एक जवान ने जनहित याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि फिल्म में सेना के ऑपरेशन से जुड़ी गुप्त जानकारियां दिखाई गई हैं। कोर्ट ने कहा कि फिल्म भले ही काल्पनिक हो, लेकिन सुरक्षा से जुड़ी की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सेंसर बोर्ड करेगा जांच चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को इस याचिका पर विचार कर फैसला लेने को कहा है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि भले ही यह फिल्म मनोरंजन के लिए बनाई गई एक काल्पनिक कहानी है, लेकिन इसके प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने इसे ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के उल्लंघन के आरोपों के तहत जांचने के लिए कहा है। एसएसबी जवान ने उठाए सुरक्षा पर सवाल यह याचिका एसएसबी में हेड कांस्टेबल दीपक कुमार ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म में सेना के ऑपरेशन्स की बारीक जानकारियां दिखाई गई हैं, जिससे देश की सुरक्षा और अखंडता को खतरा हो सकता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, फिल्म में कुछ खास जगहों और किरदारों को इस तरह दिखाया गया है जो बड़े अधिकारियों और शहीद सैनिकों से मेल खाते हैं। इतनी साफ जानकारियां दिखाना देश की सुरक्षा के लिहाज से सही नहीं है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सौंपा केस हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिका को पूरी तरह खारिज नहीं किया। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जो मुद्दे उठाए हैं, उन पर सही तरीके से विचार करना और उनका समाधान निकालना जरूरी है। कोर्ट ने इस रिट याचिका को एक प्रजेंटेशन (अभ्यावेदन) मानकर सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सौंप दिया है। अब सरकार और सेंसर बोर्ड को इस पर मिलकर आखिरी फैसला लेना होगा। धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करते हुए भारत में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने का रिकॉर्ड बनाया। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अब तक भारत में करीब रु1145 करोड़ नेट कलेक्शन और दुनियाभर में लगभग रु1797 करोड़ ग्रॉस कमाई कर ली है। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। धुरंधर 2 में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। इसके अलावा फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, गौरव गेरा और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी नजर आए। जबकि पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। धुरंधर (2025) और धुरंधर 2 (2026) दोनों ही फिल्मों का निर्देशन आदित्य धर ने किया। फिल्म को ज्योति देशपांडे और आदित्य धर ने मिलकर जियो स्टूडियोज और 62 स्टूडियोज के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

जन्मदिन पर जूनियर एनटीआर की फिल्म ड्रैगन का टीजर लॉन्च,किलर के लुक में दिखे एक्टर,घर के बाहर जमा हुए हजारों फैंस

चेन्नई। साउथ सिनेमा एक्टर जूनियर एनटीआर आज यानी 20

मई को अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनकी आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' का पहला ग्लिम्स (टीजर) रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में एनटीआर एक खतरनाक हत्यारे (असेसिन) के रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं, हैदराबाद में एक्टर के घर के बाहर तड़के सुबह से ही हजारों फैंस की भीड़ जमा हो गई। एनटीआर ने अपने घर के बाहर आकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। अफीम वॉर पर आधारित है फिल्म 'ड्रैगन' रिलीज हुए ग्लिम्स वीडियो के मुताबिक, फिल्म की कहानी ग्लोबल अफीम वॉर (ग्लोबल ओपियम वॉर) के इर्द-गिर्द बुनी गई है। टीजर की शुरुआत एक बैकग्राउंड वॉइस ओवर से होती है। इसमें बताया जाता है कि ब्रिटिश मूल रूप से भारत में अफीम की खेती के लिए आए थे, जिससे हेरोइन बनती है। अंग्रेजों ने भारत में रहकर उन दो मुख्य जगहों पर कंट्रोल किया जहां प्रतिबंधित ड्रग्स की सबसे ज्यादा खेती होती थी। इसमें अफगानिस्तान और थाईलैंड, लाओस और बर्मा का क्षेत्र शामिल है। अंग्रेजों के जाने के बाद दो मुख्य ग्रुप 'अफगान ट्रेडिंग कंपनी' और 'गोल्डन ट्रायंगल' के बीच अफीम के बिजनेस पर कब्जे को लेकर जंग शुरू हो जाती है। खतरनाक लुक में दिखे एनटीआर इस फिल्म में जूनियर एनटीआर 'अफगान ट्रेडिंग कंपनी' के सबसे बड़े शूटर और हत्यारे लूगर का किरदार निभा रहे हैं, जिसे 'ड्रैगन' भी कहा जाता है। ग्लिम्स में उनका लुक काफी आक्रामक और दमदार दिख रहा है। वीडियो में उनका एक डायलॉग भी है। इसमें वे कहते हैं, 'जब मैं सोने के लिए अपनी आंखें बंद करता हूं, तो मुझे उन लोगों के चेहरे नहीं दिखते जिन्हें मैंने मारा है। मुझे सिर्फ बचे हुए दुश्मनों के चेहरे दिखते हैं। गलती से भी मेरे सपनों में मत आना!' अनिल कपूर निभा रहे नारकोटिक्स चीफ का रोल फिल्म में बॉलीवुड के सीनियर एक्टर अनिल कपूर भी मुख्य भूमिका में हैं। वे फिल्म में नारकोटिक्स ब्यूरो के चीफ रघुवीर राठौड़ का किरदार निभा रहे हैं। वहीं बीजू मेनन अफगानिस्तान लॉजिस्टिक्स के हेड जलील रहमान के रोल में दिखेंगे। इनके अलावा फिल्म में रुक्मिणी वसंत, आशुतोष राणा, खुशबू सुंदर, राजीव कनकाला और सिद्धांत गुप्ता जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म पहले इसी साल 25 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म अगले साल 11 जून, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। घर के बाहर जमा हुए हजारों फैंस जूनियर एनटीआर ने इस साल अपना जन्मदिन हैदराबाद में अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाया। सुबह से ही उनके हैदराबाद वाले घर के बाहर फैंस की भारी भीड़ जुट गई थी। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच एनटीआर कैजुअल टी-शर्ट और पैंट पहने फैंस के सामने आए। उन्होंने हाथ हिलाकर सबका शुक्रिया अदा किया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।